सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
YouTube

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 149, नई दिल्ली

शनिवार, 12 अगस्त 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

"दोस्तों मेहनत से मोहब्बत करो, क्योंकि यह तुम्हारी कामयाबी की वजह बनेगा।"

सिर्फ 1 रुपये में दिल्ली से जयपुर, आगरा और देहरादून का सफर, 15 अगस्त के लिए बंपर ऑफर

15 अगस्त तक NueGo ने एक खास ऑफर निकाला है। इस ऑफर के तहत आप सिर्फ 1 रुपये में एसी बस से दिल्ली से जयपुर, देहरादून, आगरा तक जा सकते हैं। इस ऑफर को लेकर यात्रियों को कंपनी की वेबसाइट या ऐप के माध्यम से बुक करना होगा। ऑफर सीटें खत्म होने तक जारी रहेगी।

संजय बाटला, संपादक

नई दिल्ली। दिल्ली से देहरादून, आगरा, जयपुर जाने में आप कम से कम 500 से 1000 रुपये खर्च करते होंगे, लेकिन आपको एक ऐसे ऑफर के बारे में बता रहे हैं, जहां आप सिर्फ 1 रुपये खर्च कर ये सफर कर सकते हैं। एसी बस से दिल्ली से जयपुर, देहरादून, आगरा तक जाने के लिए आपको सिर्फ 1 रुपये खर्च करने होंगे। आप अगर ये सोत रहे होंगे कि सिर्फ एक रुपये में एसी बस से सफर कोई मजाक या प्रैंक है तो ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ग्रीनसेल मोबिलिटी की इंटरसिटी इलेक्ट्रिक AC बस कोच सर्विस, न्यूगो (NueGo) खास ऑफर लेकर आई है। इस ऑफर के तहत लोगों को सिर्फ 1 रुपये में दिल्ली से जयपुर, देहरादून, आगरा तक सफर करने का मौका मिलेगा। कंपनी ने 77वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यह ऑफर निकाला है। इस ऑफर के तहत यात्री मात्र 1 रुपये में चुनिंदा डेस्टिनेशन के लिए टिकट बुक कर सकेंगे।

सिर्फ 15 अगस्त तक है ऑफर

कंपनी ने ये आफिर लिमिटेड पीरियड के लिए निकाला है। लग्जरी इलेक्ट्रिक बस सर्विस न्यूगो ने ये ऑफर लिमिटेड समय के लिए निकाला है। कंपनी की ओर से ट्वीट करके इसकी जानकारी दी गई है। इस जानकारी के मुताबिक ये ऑफर सिर्फ 10 से 15 अगस्त तक के लिए ही वैध होगा। कंपनी के मुताबिक यात्री इस ऑफर के तहक किसी भी ऑपरेटिंग रूट के लिए सिर्फ 1 रुपये में टिकट बुक कर सफर कर सकते हैं। इस ऑफर के तहत अलॉट की गई कुल टिकटों की बुकिंग तक ऑफर खुले हैं। सीटें खत्म होने तक ऑफर जारी है। अगर आप भी इस ऑफर के तहत टिकट बुक करवाना चाहते हैं तो NueGo के ऐप या कंपनी की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन टिकट बुक कर सकते हैं।

किन-किन रूट पर कर सकते हैं टिकट बुक

NueGo की बसें इंदौर-भोपाल, दिल्ली-चंडीगढ़, दिल्ली-आगरा, दिल्ली-देहरादून, दिल्ली-जयपुर के अलावा आगरा से जयपुर, बेंगलुरु से तिरुपति, चेन्नई से तिरुपति, चेन्नई से पुडुचेरी जैसे रूटों पर चलती हैं। इस ऑफर से तहत आप 10 से 15 अगस्त तक इन सभी रूटों पर सफर कर सकते हैं। कंपनी ने भले ही ये

ऑफर स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लॉन्च किया है, लेकिन इसका असली मकसद लोगों तक अपनी पहुंच को बढ़ाना है। कंपनी लोगों को 1 रुपये में सफर का मौका देकर लोगों तक NueGo की लग्ज़री बस सर्विस की की जानकारी पहुंचाना चाहती है।

ट्रांसपोर्ट / परिवहन का अर्थ सिर्फ वाहन नही, क्या आप मानते हैं? जिन्दगी से जुड़े हर पहलू का नाम है परिवहन/ ट्रांसपोर्ट

जीवन में जरुरत की हर वस्तु से जुड़ा है परिवहन!

परिवहन नही तो ना खाना पीना, ना दवा दारू, ना आना जाना, ना सुरक्षा, ना विकास समृद्धि। बड़ा विशाल अर्थ है जिंदगी में ट्रांसपोर्ट/ परिवहन का

ट्रांसपोर्ट टुडे मासिक पत्रिका

ट्रांसपोर्ट टुडे मासिक पत्रिका शुरू करने के पीछे हमारा उद्देश्य भारत देश के समस्त नागरिकों को परिवहन (जो सबके जीवन में उतना ही महत्व रखता है जितना व्यक्ति के लिए खाना पीना और सांस लेना) से जुड़े पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान करना है।

परिवहन के नियम/अधिनियम/कानून/धाराएं,

कानूनी आदेश/दिशा निर्देश,

परिवहन कल आज और आने वाले कल का स्वरूप,

परिवहन विभागो की कार्यप्रणाली,

परिवहन क्षेत्र से जुड़े लोगो को आने वाली परेशानियां और उनके समाधान का मार्ग, महिलाओ के लिए परिवहन में अति आवश्यक होने वाली सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था और उसके लिए सरकारी विभागों द्वारा उठाए जाने वाले जरूरी कदम,

नए आने वाले वाहनों की सूचना,

परिवहन क्षेत्र के लिए कार्यरत संगठनों, एनजीओ, एसोसिएशन, यूनियन, और मुख्य अधिकारियो के सम्पर्क सूत्र (फोन, पता इत्यादि)

एवम् ज्ञानवर्धक जानकारियों को आपके समक्ष प्रस्तुत कर आपकों जिन्दगी में आने वाली परेशानियो से मुक्ति पाने के सरल और कानूनी ढंग प्रदान करना।

इसके लिए हम आप सभी से अनुरोध करते हैं कि आप भी अपने क्षेत्र, शहर, राज्य और देश की सड़कों, लाइट, जाम, सड़को पर अनाधिकृत कब्जे, गंदगी एवम् अन्य सभी सुरक्षा की दृष्टि में अनिवार्य बातो से हमें अवगत करवाते रहें जिससे हम आप को आने वाली परेशानियो और आपके विचारों को सही अधिकारी/विभाग और सरकार तक पहुंचा कर उसका हल करवाने में सहायक बने और भारत देश के नागरिकों के लिए सुगम, बेखौफ, सुरक्षित सफर का आनन्द दिलवाने में अपना योगदान दें सके।

संपादक/पब्लिशर
परिवहन विशेष हिन्दी दैनिक,
ट्रांसपोर्ट टुडे मासिक पत्रिका

जम्मू कश्मीर: प्रदेश में जल्द मिलेगी ओला-उबर की सुविधा, यात्रियों की जेब पर बोझ होगा कम

परिवहन विशेष न्यूज

ऐप आधारित गाड़ियां चलने से यात्रियों का सफर आसान होगा और लोगों की जेब भी ढ़ीली होने से बचेगी। इससे सबसे ज्यादा फायदा यहां प्रतिवर्ष आने वाले लाखों पर्यटकों और स्थानीय लोगों को मिलेगा।

जम्मू। जम्मू कश्मीर की सड़कों पर ओला-उबर जैसी मोबाइल ऐप आधारित सुविधा का रास्ता साफ हो गया है। यूटी प्रशासन की ओर से मोबाइल ऐप आधारित टैक्सी को चलाने के लिए लोगों की आपत्तियां मांगी गई थीं, जिसमें कई लोगों ने कहा कि ओला-उबर जैसी गाड़ियां चलने से वाहन मालिकों को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए ये टैक्सियां नहीं चलनी चाहिए।

इसके जवाब में प्रशासन ने कहा कि ऐप आधारित गाड़ियां चलने से यात्रियों का सफर आसान होगा और लोगों की जेब भी ढ़ीली होने से बचेगी। इससे सबसे ज्यादा फायदा यहां प्रतिवर्ष आने वाले लाखों पर्यटकों और स्थानीय लोगों को मिलेगा।

यूटी प्रशासन के परिवहन विभाग की ओर से जारी अंतिम नोटिफिकेशन में 250 से ज्यादा लोगों ने आपत्तियां दर्ज करवाई थीं। इसमें 80 फीसदी लोगों का तर्क था कि ओला-उबर जैसी टैक्सियां चलने से सबसे ज्यादा वाहन मालिक प्रभावित होंगे।

बड़ी संख्या में लोग टैक्सियां चलाकर परिवार का गुजारा करते हैं। ऐसे में वह बेरोजगार भी हो सकते हैं। इस पर परिवहन विभाग की ओर से कहा गया कि लोग बेरोजगार नहीं होंगे। लोग अपने वाहनों का ऐप आधारित गाड़ियों में रजिस्ट्रेशन आसानी से करवा सकते हैं। विभाग की ओर से ऐसी तमाम आपत्तियों को खारिज कर दिया। इससे अब प्रदेश में ओला, उबर चलने का रास्ता साफ हो गया है। सब ठीक रहा तो जल्द ही प्रदेश की सड़कों पर ऐप आधारित गाड़ियां चलती नजर आएंगी।

ऐसे सफल हुई कवायद

प्रदेश की सड़कों पर ऐप आधारित गाड़ियां चलाने की कई सालों से कवायद चल रही है। इसे धरातल पर उतारने के लिए जुलाई के पहले हफ्ते में परिवहन विभाग की ओर से अंतिम नोटिफिकेशन जारी किया गया था। इसमें आम लोगों से राय और आपत्तियां दर्ज करवाने के लिए कहा गया था। विभाग की ओर से शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया है।

बदायूं से दिल्ली जा रही बस को बुलंदशहर में ट्रक ने मारी टक्कर, 4 लोगों की मौत, 9 घायल

परिवहन विशेष न्यूज

बुलंदशहर में एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों ने अपनी जान गंवा दी है। मरने वाले सभी बदायूं के बताए जा रहे हैं।

बुलंदशहर। यूपी के बुलंदशहर में एनएच-91 पर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

देहात थाना क्षेत्र के अड़ौली तिराहे पर एक बेक़ाबू ट्रक ने साहिबाबाद डिपो की रोडवेज बस को ज़ोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 9 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद बुलंदशहर डीएम सीपी सिंह, एसपी सिटी, एएसपी समेत पुलिस और प्रशासन के तमाम आला अधिकारी मौके पहुंचे, जबकि सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

बुलंदशहर डीएम सीपी सिंह ने बताया कि साहिबाबाद डिपो की बस बदायूं से यात्रियों को लेकर दिल्ली जा रही थी। इस दौरान अलीगढ़ की ओर जा रहे नागालैंड नंबर ट्रक ने बुलंदशहर देहात के अड़ौली तिराहे पर बस को ज़ोरदार टक्कर मार दी। दर्दनाक हादसे में जिन चार लोगों ने जान गंवाई है, वह सभी बदायूं के निवासी हैं, जबकि घायलों में भी अधिकतर लोग बदायूं के ही रहने वाले बताए जा रहे हैं

रोडवेज ई-बसों से कराएगा धार्मिक स्थलों की यात्रा, बनारस से प्रयागराज, चित्रकूट और अयोध्या की योजना

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में पहली बार परिवहन निगम वाराणसी से बाहर 250 किलोमीटर की परिधि में ई-बसों का संचालन करेगा। योजना के पहले चरण में धार्मिक स्थलों और परिक्षेत्र के जिलों को जोड़ा जाएगा।

उत्तर प्रदेश में पहली बार परिवहन निगम वाराणसी से बाहर 250 किलोमीटर की परिधि में ई-बसों का संचालन करेगा। योजना के पहले चरण में धार्मिक स्थलों और परिक्षेत्र के जिलों को जोड़ा जाएगा। परिवहन निगम ई-बसों से धार्मिक स्थलों को जोड़ने से संबंधित प्रस्ताव तैयार कर मुख्यालय भेजा दिया है। इसके लिए परिवहन निगम 50 ई-बसों को अपने बेड़े में शामिल करेगा। परिवहन निगम वाराणसी क्षेत्र के प्रबंधक गौरव वर्मा के मुताबिक, दो चरणों के पहले भाग में प्रयागराज, चित्रकूट और अयोध्या आदि जिलों को जोड़ने की योजना है। इसके बाद दूसरे भाग की योजना बाद में घोषित की जाएगी। शहर के साथ पूरे परिवहन को प्रदूषण मुक्त करने के लिए यह योजना लागू की जा रही है। इसमें 42 सीटर बसों का संचालन होगा।

बस कहां से कहां

वाराणसी-प्रयागराज संगमनगरी
वाराणसी-गोरखपुर वाया आजमगढ़ गोरखनाथ मंदिर
वाराणसी-अयोध्या वाया शाहगंज राम जन्मभूमि
वाराणसी-चित्रकूट राम कर्मभूमि
वाराणसी-विंध्याचल मां विंध्यवासिनी मंदिर

वाराणसी परिक्षेत्र में प्रस्तावित ई बसें

वाराणसी से चंदौली
वाराणसी से सोनभद्र
वाराणसी-सुल्तानपुर
वाराणसी-गाजीपुर
वाराणसी-बलिया
वाराणसी-आजमगढ़
वाराणसी-गाजीपुर-मऊ
वाराणसी-भदोही

डीटीसी बेडे की न्यू ई-बसें बीच राह दम तोड रही हैं, नई बसों की बैट्री 64-74 किमी. लौ की कंम्पलेट

एसडी सेठी

परिवहन विशेष न्यूज, नई दिल्ली। डीटीसी बेडे में गाजे बाजे के साथ ई-बसों को हरी झंडी दिखाकर राजधानी दिल्ली की करीब 2 करोड आबादी को उत्तम परिवहन सुविधाएं मुहैया कराने का दावा किया गया था।

लेकिन आज सभी दावों के विपरीत बसों की कमी से जूझ रहे दिल्लीवालों की मुश्किलें जरूर बढा दी हैं। अंदर के खादिमों के मुताबिक रोज 10 से 15 बसों की बीच सडक पर दम तोडने की शिकायतें मिल रही है। इससे पहले ही सीएनजी बसों में गंभीर समस्याएं खडी हैं। आंकडो के मुताबिक ईलैक्ट्रिक बसों के अलावा डीटीसी सीएनजी चालित बसों में ब्रेक डाउन की समस्या तो है ही। आंकडों की माने तो बीते हर 15दिनों में 400-500 बसों का ब्रेक डाउन हो रहा है। इस वक्त डीटीसी में 3992 बस हैं।इनमें 3504 बस सीएनजी चालित है।और 408 इलैक्ट्रिक बसे हैं। इनमें से डेली हर जोन में 100 से ज्यादा बसों का ब्रेक डाउन होने की कंम्पलेंट हैं। डीटीसी के बेडे में हाल फिलाल में 488 इलैक्ट्रिक बसें शामिल की चुकी है।इनमें गुजरे साल आई इलैक्ट्रिक बसें भी शामिल है। जिनका रोहिणी सेक्टर-37 व मंडेला कला बस डिपो से आवागमन किया जा रहा है।कुछ समय से शिकायतें आ रही हैं कि इन डिपो

से चलने वाली करीब 200 बसें रोजाना ब्रेक डाउन हो रही है। इनकी वजह भी खासी चौकाने वाली है। इसका सबसे बडा कारण बैट्र लौ होना है। सूत्रों के मुताबिक जिन बसों की ट्रिप 104 किलोमीटर तय की गई है, वह 64 से 74 किलोमीटर के बाद दम तोड रही है। बैठने लौ होने के कारण बीच सफर में बसें खडी हो जाती है। इसके अलावा और भी तकनीकी खराबियों ने सिर उठा लिया है। ये हाल दो महीने पहले माया पुरी डिपो में आई इलैक्ट्रिक बसों में भी तकनीकी खामियां उजागर हो रही है। बहरहाल 30% बसों में रोजाना की खराबी से सवारियां बेहाल हैं। हालांकि दिल्ली परिवहन मंत्री अशोक गहलौत ने डीटीसी को ऐसी खटान बसों को सडक से हटाने के लिए कह दिया है। बता दें कि आंकडों की माने तो इस साल वैसे भी दिल्ली की सडकों से बुरी हो चली करीब 650 बसें हटेंगी।इनमें करीब 300 कलस्टर और 350डीटीसी की बसें बताई गई हैं।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

महिलाओं में 5 लक्षण दिखें तो हो जाएं अलर्ट

खराब मेंटल हेल्थ के होते हैं संकेत, सही वक्त पर करें सेल्फ

अत्यधिक अपराधबोध, भय, शर्म या क्रोध का होना भी मेंटल प्रॉब्लम के शुरुआती लक्षण हैं.अत्यधिक अपराधबोध, भय, शर्म या क्रोध का होना भी मेंटल प्रॉब्लम के शुरुआती लक्षण हैं.डिप्रेशन और एंग्जायटी पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अधिक देखने को मिलती है. ये दिमागी बीमारी के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं. हकीकत यह है कि महिलाएं महीनों, सालों और कई बार तो जीवनभर इस परेशानी से जूझती हैं, जो बाद में और भी परेशानी की वजह बन जाते हैं. आज आपको बता रहे हैं कि महिलाओं में मेंटल हेल्थ के खराब होने के शुरुआती लक्षण क्या हैं.

अक्सर यह देखने को मिलता है कि महिलाएं अपने मेंटल हेल्थ को लेकर सीरियस नहीं होतीं और सालों साल डिप्रेशन और एंग्जायटी की समस्या से जूझती रहती हैं. इलाज के अभाव में समस्या और भी बढ़ जाती है और हालात कंट्रोल से बाहर हो जाते हैं. आज के बिजी लाइफ स्टाइल में महिलाएं घर और दफ्तर दोनों को सम्हालती हैं और मेंटल हेल्थ से जुड़ी काफी मामलों को नजरअंदाज कर देती हैं. लेकिन अन्य बीमारियों की तरह यह समस्या भी रुकती नहीं और धीरे धीरे जीवन को कई तरह से प्रभावित करती चली जाती हैं. आइए जानते हैं कि महिलाओं में मेंटल हेल्थ की समस्या के शुरुआती लक्षण क्या हैं.

जीवन में कठिनाइयां बढ़ना- क्लीयरव्यू ट्रीटमेंट प्रोग्राम के मुताबिक कभी-कभी मानसिक बीमारी के पहले लक्षण के रूप में देखा जाता है कि महिलाओं का परफॉरमेंस एकाएक खराब होने लगता है. मसलन, खराब ग्रेड आना, काम अच्छा ना होना, अच्छी तरह से जिम्मेदारियों को ना निभा पाना, स्ट्रेस मैनेज नहीं कर पाना, पर्सनल रिलेशन में समस्या आदि. ऐसे लक्षण महिलाओं में मेंटल हेल्थ के बिगड़ने के लक्षण हो सकते हैं.

मूड और भावनाओं में बदलाव- अगर अचानक से महिला के मूड में परिवर्तन हो या मूड में उतार-चढ़ाव आए तो ये भी मानसिक बीमारियों का एक और प्राथमिक संकेत हो सकता है. मसलन, उदास रहना, उत्साह की कमी, एनर्जी और भावनाओं की कमी या उदासीनता की भावना आदि. यही नहीं, ऐसी अवस्था में अत्यधिक अपराधबोध, भय, शर्म या क्रोध का अनुभव भी कर सकता है.

संज्ञानात्मकता की कमी- संज्ञानात्मकता की कमी यानी कि चीजों को बार बार भूलना, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई या भ्रम होना आदि लक्षण मानसिक बीमारी के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं. ऐसे हालत में इंसान इंसानों को भूल सकता है और वह कहीं खोया खोया रहता है.

खतरनाक व्यवहार- मानसिक बीमारी अगर अपने शुरुआती दौर में है तो कभी-कभी ऐसी महिलाएं जोखिम भरे व्यवहार करने लगती हैं. मसलन, अत्यधिक मात्रा में पैसा खर्च करना, जोखिम भरा यौन व्यवहार करना या ड्रग्स और शराब के साथ प्रयोग करना. इस परेशानी से पीछा छुड़ाने के लिए कई बार लोग ड्रग्स या शराब की लत तक के शिकार हो जाते हैं.

हकीकत से दूर होना- कई बार महिलाएं तनाव झेलते झेलते मतिभ्रम महसूस करने लगती हैं जिसमें उन्हें लगता है कि कुछ हो रहा है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा. ऐसा लक्षण होने पर तुरंत आप साइक्रेटिस्ट से संपर्क करें और विशेषज्ञों से मदद लें.

लक्षण दिखने कर क्या करें ?

–अगर आप कुछ ऐसा अनुभव कर ही हैं तो विशेषज्ञ की सलाह लें.

–योग और ध्यान का सहाला लें और वॉकिंग या जॉगिंग करें.

–लोगों से मिलें और क्लब आदि ज्वाइन करें.

–बिहेवियर थेरेपी की मदद लें.

प्रियंका चोपड़ा ने 30 की उम्र में अपने एग कराए थे फ्रीज़, आखिर क्यों प्रचलित हो रहा यह तरीका

बॉलीवुड में एग फ्रीजिंग तकनीक काफी फेमस हो रही है. हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने भी इस तकनीक की मदद से बच्ची को जन्म दिया है. आखिर ये तकनीक क्यों फेमस हो रही है और फैमिली प्लानिंग में ये किस तरह लोगों की मदद कर रही है, इस बारे में सभी को कुछ बातें जान लेनी चाहिए.

प्रियंका चोपड़ा हाल ही में जाने माने अमेरिकन एक्टर फिल्ममेकर डैक्स शेफर्ड के पॉडकास्ट आर्मचेयर एक्सपर्ट के शो में अपनी पर्सनल लाइफ के कुछ जरूरी फैसलों पर चर्चा करते हुए कई बातों को खुलासा किया. इस मौके पर उन्होंने खुलकर इस बात की जानकारी दी कि उन्होंने अपनी मां की सलाह पर अपने एग्स फ्रीज करवाए थे. उन्होंने बताया कि अपने 30 वें साल में लिए गए इस निर्णय की वजह से उन्हें जीवन में कई आजादी भी मिली. प्रियंका अभी 40 साल की हैं और सिंगर एक्टर निक जोनस के साथ एक खुशहाल मैरिड लाइफ जी रही हैं. हाल ही में एग फ्रीजिंग तकनीक से उन्हें बेटी भी हुई है, जिसका नाम मालती मेरी चोपड़ा जोनस है.

आखिर क्या है एग फ्रीजिंग ?

मेडिकल न्यूज टुडे के मुताबिक, एग फ्रीजिंग एक मेडिकल प्रक्रिया है जिसमें एक महिला के पास यह विकल्प होता है कि वह बच्चे पैदा करने की उम्र निकल जाने के बाद भी सेरोगेसी से अपने बच्चे को जन्म दे सकती है. दरअसल, जैसे जैसे उम्र बढ़ती है, महिलाओं में अंडे की क्वालिटी घटती जाती है. ऐसे में महिला बच्चे को जन्म तो देना चाहती है लेकिन सिचुएशन की वजह से फिलहाल प्रेग्नेंट नहीं हो सकती, तो ऐसी महिलाओं के लिए एग फ्रीजिंग तकनीक काफी सुविधाजनक और सेफ विकल्प हो सकता है.

एक फ्रीजिंग का क्यों बढ़ रहा ट्रेंड ?

करियर और एजुकेशन प्लान में सुविधा- जो महिलाएं एडवांस या हाइयर एजुकेशन में डिग्री हासिल करना चाहती हैं या करियर की वजह से उन्हें प्रेग्नेंसी के लिए मौका नहीं मिल पा रहा, ऐसी महिलाएं युवा अवस्था में अपने भविष्य के प्लान के लिए अंडे फ्रीज करवा सकती हैं. ऐसा करने से महिलाओं के पास एक आजादी होती है कि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें, अच्छा करियर बना सकें और उम्र होने पर अपना परिवार भी बढ़ा सकें.

व्यक्तिगत परिस्थितियां- जो महिलाएं बच्चे तो पैदा करना चाहती हैं, लेकिन अभी तक उन्हें कोई परफेक्ट साथी नहीं मिला है तो वे भविष्य में उपयोग के लिए अपने अंडे को फ्रीज करा सकती हैं. समलैंगिक संबंधों में रहने वाली महिलाएं भी बाद में बच्चा पैदा करने की इच्छा होने पर ऐसा कर सकती हैं.

कैंसर पीड़ित महिलाओं के लिए विकल्प- अगर महिला कैंसर पीड़ित है तो कीमोथेरेपी और अन्य कैंसर उपचार में आमतौर पर प्रजनन क्षमता कम हो जाती है और कई बार तो प्रजनन क्षमता खत्म भी हो जाती है. ऐसे में महिला पहले ही अपने एग को फ्रीज करा सकती हैं और इलाज के बाद फैमिली प्लानिंग कर सकती हैं.

इनसाइड

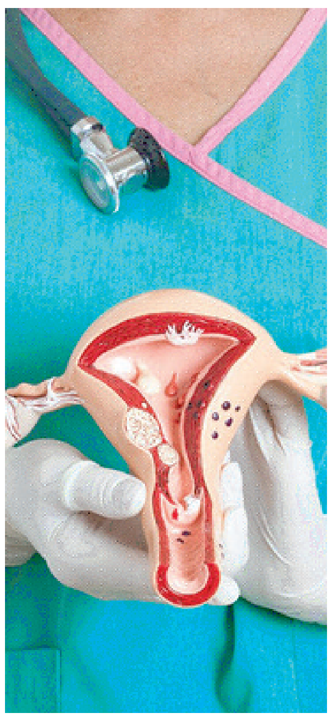

सर्वाइकल कैंसर का खतरा युवा महिलाओं को ज्यादा, अपोलो की डॉक्टर सारिका गुप्ता ने बताए बचाव के तरीके

कैंसर शरीर के किसी भी हिस्से में कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि की वजह से हो जाता है. कैंसर कई तरह के होते हैं. इनमें से एक सर्वाइकल कैंसर (Cervical Cancer) होता है, जो महिलाओं में होने वाला कॉमन कैंसर है. दुनियाभर में हर साल बड़ी तादाद में महिलाएं महिलाएं सर्वाइकल कैंसर की वजह से अपनी जान गंवा देती हैं. चिंताजनक बात यह है कि सर्वाइकल कैंसर का खतरा कम उम्र की महिलाओं को ज्यादा होता है. आज कैंसर स्पेशलिस्ट से जानेंगे कि सर्वाइकल कैंसर क्या है, इसके क्या लक्षण होते हैं और इससे किस तरह बचा जा सकता है.

नई दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल के गायनेकोलॉजी ओन्कोलॉजी डिपार्टमेंट की सीनियर कंसल्टेंट डॉक्टर सारिका गुप्ता के मुताबिक सर्वाइकल कैंसर महिलाओं की बच्चेदानी के मुख में होने वाला कैंसर है. इसे बच्चेदानी के मुंह का कैंसर भी कहा जाता है. आमतौर पर 35 साल से लेकर 50 साल की उम्र वाली महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर का खतरा ज्यादा होता है. यह कैंसर दो तरह का होता है- पहला लो ग्रेड और दूसरा हाई ग्रेड. लो ग्रेड कैंसर धीरे-धीरे फैलता है, जबकि हाई ग्रेड कैंसर तेजी से फैलता है और इसमें मौत का खतरा ज्यादा होता है. ऐसे में सही वक्त पर इलाज कराना बेहद जरूरी है.
ऐसी महिलाओं को खतरा ज्यादा
डॉक्टर सारिका गुप्ता कहती हैं कि सर्वाइकल कैंसर का खतरा उन महिलाओं को ज्यादा होता है, जिनकी इम्यूनिटी कमजोर हो और एचआईवी या अन्य कोई गंभीर बीमारी हो. मल्टीपल सेक्सुअल पार्टनर, जेनिटल हाइजीन की कमी और जल्दी बच्चे होने वाली महिलाओं को इसका जोखिम ज्यादा होता है. इसके अलावा स्मोकिंग करने से भी सर्वाइकल कैंसर का खतरा बढ़ जाता है. 30 साल की उम्र के बाद महिलाओं को इससे बचने के लिए समय-समय पर स्क्रीनिंग करानी चाहिए. सर्वाइकल कैंसर का पता प्री-कैंसरस स्टेज में भी लगाया जा सकता है और सही इलाज के जरिए कैंसर से बचा भी जा सकता है.

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण

– पार्टनर के साथ संबंध बनाने के बाद ब्लीडिंग
– पीरियड्स के बीच अनियमित माहवारी होना
– बदबूदार पानी आना या ब्लड स्ट्रीम डिस्चार्ज
– मेनोपॉज के बाद ब्लीडिंग या स्पॉटिंग होना

सर्वाइकल कैंसर का ट्रीटमेंट और बचाव

डॉक्टर के अनुसार सर्वाइकल कैंसर अगर शुरुआती स्टेज में हो, तो सर्जरी के जरिए इसका इलाज किया जाता है. एडवांस स्टेज में कीमोथेरेपी की जरूरत होती है. हर मरीज की कंडीशन को देखकर ही ट्रीटमेंट किया जाता है. जितना जल्दी इसका पता लग जाए, मौत का खतरा उतना कम हो सकता है. बचाव की बात करें, तो सर्वाइकल कैंसर से बचने के लिए HPV का टीका लगवाएं और अपनी इम्यूनिटी को बूस्ट करें. स्मोकिंग से दूरी बनाएं और संबंध बनाते वक्त कॉन्ट्रासेप्टिव इस्तेमाल करें. समय-समय पर गायनेकोलॉजिस्ट से मिलकर अपनी जांच करवाएं.

6 बदलाव, जो 40 की उम्र के बाद हर महिला झेलती है! नॉर्मल हैं ये मेंटल और फिजिकल चेंज

इस उम्र में कई शारीरिक व मानसिक बदलाव

उम्र बढ़ने के साथ ही महिलाओं के मानसिक और शारीरिक सेहत में कई बदलाव तेजी से देखने को मिलते हैं. ये बदलाव कई बार फ्रस्टेटिंग होते हैं तो कई बार दैनिक जीवन को भी प्रभावित करते हैं. यहां हम आपको बताते हैं कि 40 की उम्र के बाद किस तरह के बदलाव महिलाएं महसूस करती हैं.

उम्र बढ़ना एक नेचुरल प्रोसेस है. लेकिन जब महिलाएं 40 की उम्र में प्रवेश करती हैं तो उनके शारीरिक और मानसिक सेहत में कुछ ऐसे बदलाव आने शुरू होते हैं जिसे वह आसानी से महसूस कर पाती है और लगभग हर महिला ऐसी समस्याओं से जूझती है. कुछ महिलाएं ऐसे बदलाव से इरिटेट होने लगती हैं और कुछ निराश हताश. यह वह समय होता है जब मेनोपॉज की तरफ आप बढ़ना शुरू करती हैं. इस समय महिलाएं शारीरिक और मानसिक बदलावों की वजह से निराश और कई बार अनकंफर्टेबल भी महसूस करती हैं. लेकिन आपको बता दें इनका समाधान संभव है.

प्रिवेंट वेबसाइट में इन विषयों की एक्सपर्ट पीएचडी, लॉरा बरमन का कहना है कि महिलाएं ऐसे हालातों को चुपचाप सहती हैं जबकि उन्हें अपने डॉक्टर से इस विषय पर सलाह लेने की जरूरत होती है. यहां हम आपको बताते हैं कि 40 की उम्र के बाद किस तरह के बदलावों से महिलाएं गुजरती हैं.

40 की उम्र के बाद महिलाओं के शरीर में बदलाव

ब्रेन फॉगिंग

अगर आप चीजों को रखकर भूल जा रही हैं या आप छोटी-छोटी बातों को याद नहीं रख पा रहीं तो ये ब्रेन फॉगिंग का लक्षण हो सकता है. ऐसी समस्याओं से बचने के लिए आप अपने डॉक्टर से संपर्क करें और सही सलाह लें.

ब्लडर लीक होना

अगर आप महसूस करती हैं कि छींकने या खांसने आदि से ब्लडर से कंट्रोल छूट रहा है और लीक हो रहा है तो यह समस्या भी आपके लिए मुसीबत बन सकती है. 40 प्रतिशत महिलाएं 40 की उम्र के बाद ऐसी समस्याओं से जूझती हैं.

बालों का झड़ना

बालों के झड़ने की समस्या भी ज्यादातर महिलाएं 40 की उम्र के बाद महसूस करती हैं. यह हार्मोनल बदलाव की वजह से हो सकता है. अगर आपके बाद काफी झड़ रहे हैं तो आप डर्मोटोलोजिस्ट से संपर्क करें.

फेशियल हेयर का बढ़ना

उम्र बढ़ने पर महिला के शरीर में एस्ट्रोजन लेवल कम होता है और टेस्टोस्टेरोन लेवल बढ़ जाता है. इसकी वजह से चेहरे, ठोरी, उंगलियों आदि पर बाल नजर आने लगते हैं.

सफेद बाल होना

उम्र बढ़ने के साथ ही सिर के बाल ग्रे नजर आने लगते हैं.यही नहीं, शरीर के अन्य हिस्सों पर मौजूद बालों में भी सफेद बाल नजर आने लगते हैं. इसकी वजह से कई महिलाएं शर्म महसूस करने लगती हैं. जबकि यह बॉडी को बिलकुल नॉर्मल प्रोसेस है.

हॉट फ्लश अनुभव करना

80 प्रतिशत महिलाएं मेनोपॉज के वक्त हॉट फ्लश अनुभव करती हैं. यह सिलसिला 7 से 10 साल तक चल सकता है. हालांकि यह समस्या ब्लड क्लॉट, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, ब्रेस्ट कैंसर के लक्षण भी हो सकते हैं.

व्हट्सअप चैट करने में महिलाएं पुरुषों से आगे, सर्वे में खुलासा, मेंटल हेल्थ से जुड़ा है मामला

व्हाट्सएप पर चैट करने में महिलाएं पुरुषों से काफी आगे हैं. हाल ही में मेंटल हेल्थ हेल्पलाइन (Mental Health Helpline) की ओर से जारी आंकड़े बताते हैं कि टेलिफोन पर कंसल्टेशन या काउंसलिंग लेने के बजाय महिलाएं व्हाट्सएप चैट (WhatsApp Chat) के माध्यम से गोपनीय तरीके से मदद लेना पसंद करती हैं.

सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स फेसबुक (Facebook), ट्विटर, इंस्टाग्राम, टेलिग्राम, व्हाट्सएप (WhatsApp) या अन्य किसी भी एप्लिकेशन का इस्तेमाल आज बहुत ज्यादा बढ़ गया है. चाहे किसी समस्या का समाधान ढूंढना हो, मनोरंजन करना हो, जानकारी लेनी-देनी हो या सगे-संबंधियों से बातचीत करनी हो तो लोग इन एप्स (App) का इस्तेमाल करते हैं. कभी-कभी चैट में मैसेज टाइप करते-करते उलझन सी भी महसूस की होगी लेकिन महिलाओं के मामले में ऐसा नहीं है. व्हाट्सएप पर चैट करना (WhatsApp Chatting) महिलाओं को न केवल फोन पर बात करने के मुकाबले ज्यादा आसान लगता है बल्कि कॉनफिडेंशियल भी लगता है. वे व्हाट्सएप चैट करने में पुरुषों से काफी आगे हैं. खास बात है कि ये चैट भी इस हेल्पलाइन 9999666555 नंबर पर की गई है जो एक मेंटल हेल्थ ऑर्गनाइजेशन का है.

मानसिक स्वास्थ्य संगठन वंद्रेवाला फाउंडेशन की फ्री राष्ट्रीय हेल्पलाइन के 3 महीनों के आंकड़े बताते हैं कि फाउंडेशन की हेल्पलाइन पर मेंटल इश्यूज को लेकर सलाह और परामर्श लेने वालों में युवा आबादी ने सबसे ज्यादा व्हाट्सएप का उपयोग किया है. जबकि मध्यम आयु वर्ग और उससे ऊपर के लोगों ने टेलीफोनिक बातचीत को अधिक पसंद किया.

आंकड़ों से पता चलता है कि अधिकांश युवा अपने मानसिक स्वास्थ्य की मदद के लिए व्हाट्सएप का उपयोग कर रहे हैं और इसे बेहतर मानते हैं. 18 वर्ष से कम आयु के 65 फीसदी, 18-35 आयु वर्ग के 50 फीसदी, 35-60 आयु वर्ग के 28.3% और 60 वर्ष से अधिक आयु के 8 फीसदी लोगों ने मेंटल हेल्थ के लिए व्हाट्सएप यूज किया है.

53 फीसदी महिलाएं जबकि पुरुष 42 फीसदी..

फाउंडेशन के डेटा के अनुसार लगभग 53 फीसदी महिलाएं व्हाट्सएप चैट का उपयोग करके हेल्पलाइन से संपर्क करना पसंद करती हैं, जबकि 42 फीसदी पुरुष व्हाट्सएप चैट का उपयोग करना पसंद करते हैं. वहीं बाकी मामलों में लोग टेलिफोन के द्वारा काउंसलिंग लेते हैं.

खास बात है कि व्हाट्सएप ने उस वर्ग को सबसे ज्यादा राहत दी है जो शायद कभी भी मानसिक स्वास्थ्य सहायता ऑफलाइन क्लीनिकों पर जाकर नहीं ले सकता था. खासतौर पर ऐसी महिलाएं, लड़कियां और युवक जो अपने परिवार या साथियों को बिना बताए अपने मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं पर चर्चा करना चाहते हैं वे व्हाट्सएप का इसके लिए इस्तेमाल करते हैं. वे इसे गोपनीय मानते हैं और समय की उपलब्धता के अनुसार साइलेंट तरीके से अपनी समस्याओं का समाधान हासिल कर पाते हैं.

सुसाइड के विचारों से जूझ रहे लोग

फाउंडेशन की प्रमुख और परोपकारी, प्रिया हीरानंदानी वंद्रेवाला कहती हैं, 'हमसे संपर्क करने वाले एक तिहाई लोगों ने हमें बताया कि वे मानसिक बीमारी, चिंता, अवसाद और आत्महत्या के विचारों से जूझ रहे हैं.

मैं सस्पेंडेड सांसद... मेरा क्या अपराध है', राज्यसभा से निलंबित होने के बाद बोले आप नेता राघव चड्ढा

परिवहन विशेष न्यूज

राज्यसभा से निलंबित होने पर राघव चड्ढा ने कहा कि मुझे क्यों निलंबित किया गया? मेरा क्या अपराध है। उन्होंने कहा कि क्या मेरा ये अपराध है कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी से पार्लियामेंट में खड़े होकर सवाल पूछा। उन्होंने आगे कहा कि इस हफ्ते मुझे विशेषाधिकार समिति से दो नोटिस मिले। विपक्ष को संसद में बोलने का मौका नहीं दिया गया।

नई दिल्ली। राज्यसभा से निलंबित होने पर राघव चड्ढा ने कहा कि मुझे क्यों निलंबित किया गया? मेरा क्या अपराध है। उन्होंने कहा कि क्या मेरा ये अपराध है कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी से पार्लियामेंट में खड़े होकर सवाल पूछा। शुक्रवार को राघव चड्ढा को राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया है।

राघव ने निलंबन पर पूंछा सवाल

सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि जब तक विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट नहीं आ जाती तब तक राघव चड्ढा निलंबित रहेंगे। निलंबन के बाद राघव चड्ढा ने एक वीडियो जारी करके कहा कि नमस्कार, मैं सस्पेंडेड सांसद राघव चड्ढा, मेरा क्या अपराध है, मुझे क्यों निलंबित किया गया। क्या मेरा ये अपराध है कि दिल्ली सेवा बिल पर बात रखते हुए बीजेपी के सबसे बड़े नेता से न्याय की मांग की।

विपक्ष को बोलने का मौका नहीं दिया गया

राघव चड्ढा ने कहा कि मैंने उन्हें उन्ही के पुराने मेनिफेस्टो दिखाकर वादे पूरे करने को कहा। या या मेरा अपराध यह था कि मैंने अपनी बात रखी। उन्होंने आगे कहा कि इस हफ्ते मुझे विशेषाधिकार समिति से दो नोटिस मिले। विपक्ष को संसद में बोलने का मौका नहीं दिया गया।

चयन समिति सदस्यों के नाम शामिल करने पर बोलते हुए आप नेता ने कहा कि बीजेपी मुझ पर फर्जी हस्ताक्षर का आरोप लगा रही है, लेकिन सच्चाई क्या है? कोई भी सांसद किसी भी समिति के गठन के लिए नाम प्रस्तावित कर सकता है और जिसका नाम प्रस्तावित किया गया है उसके न तो हस्ताक्षर की आवश्यकता है और न ही लिखित सहमति की।

दिल्ली के इंद्रपुरी में बेड बॉक्स में भरा मिला 11 वर्षीय बच्चे का शव, पुलिस ने दर्ज मामला

दिल्ली के इंद्रपुरी इलाके में एक बेड बॉक्स के अंदर 11 वर्षीय बच्चे का शव भरा हुआ मिला है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने शुक्रवार को घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली के इंद्रपुरी इलाके में एक 11 वर्षीय बच्चे का शव एक बेड बॉक्स के अंदर भरा हुआ मिला।

नई दिल्ली। दिल्ली के इंद्रपुरी इलाके में एक बेड बॉक्स के अंदर 11 वर्षीय बच्चे का शव भरा हुआ मिला है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने शुक्रवार को घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली के इंद्रपुरी इलाके में एक 11 वर्षीय बच्चे का शव एक बेड बॉक्स के अंदर भरा हुआ मिला। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

बच्चे की मां ने लगाया एक महिला पर हत्या का आरोप

11 वर्षीय बच्चे की मां ने अपने बेटे की मौत के पीछे एक महिला का हाथ होने का आरोप लगाते हुए कहा कि मैं अपने कार्यालय से लौट रही थी जब मुझे उसके (मृत) डांस टीचर का फोन आया...जब मैं घर पहुंची, मुझे एहसास हुआ कि चीजें गड़बड़ हो गई थीं...हम उसे नजदीकी क्लिनिक में ले गए, लेकिन उसे इमरजेंसी रेफर कर दिया गया। जब हम उसे इमरजेंसी में ले गए, तो उसे मृत घोषित कर दिया गया...।

इससे पहले 31 वर्षीय महिला, जिसकी पहचान स्वीटी के रूप में हुई थी। 5 अगस्त को दिल्ली के फतेहपुर बेरी में झील खुर्द सीमा क्षेत्र के पास एक जंगल में मृत पाई गई थी। पुलिस ने मृतिका के पति और दो देवरों को कथित तौर पर उसकी हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है।

पाकिस्तानी शख्स की मदद से मांगता था रंगदारी, गैंगस्टर नीरज बवानिया के नाम का लिया सहारा, अब गिरफ्तार

दक्षिणी जिले की एएटीएस की टीम ने एक्सटार्शन के एक मामले में एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने बताया कि उसने कोरोना महामारी के दौरान उसकी नौकरी छूट गई थी। इसी दौरान वह पाकिस्तान के खान नामक एक व्यक्ति के संपर्क में आया। इसके बाद उसके साथ मिलकर आरोपित ने एक व्यापारी के साथ एक्सटार्शन को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान से कॉल करने की साजिश रची।

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी जिले की एएटीएस की टीम ने एक्सटार्शन के एक मामले में एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान मदनपुर खादर के मुकेश तिवारी के रूप में हुई है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने एक मोबाइल फोन और दो सिम कार्ड बरामद किया है। मोबाइल फोन में एक्सटार्शन की कॉल रिकार्डिंग भी पुलिस को मिली है।

पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने बताया कि ग्रेटर कैलाश एक के शिकायतकर्ता ने थाने में एक अगस्त को एक्सटार्शन की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उन्हें और उनकी पत्नी को पाकिस्तानी वर्चुअल मोबाइल नंबरों से वाट्सएप कॉल आई थी।

कॉलर ने खुद को नीरज बावनिया गिरोह का सदस्य बताया है और प्रोटेक्शन मनी के रूप में 15 लाख की मांग कर रहा है। इसके बाद संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर एएटीएस के इंस्पेक्टर उमेश यादव के नेतृत्व वाली टीम ने जांच शुरू कर दी।

छानबीन में पुलिस ने मोबाइल नंबर की लोकेशन का पता लगाने के लिए वाट्सएप से जानकारी लेकर जांच की तो मोबाइल नंबर केवल वाट्सएप पर सक्रिय पाया गया। इसके बाद आरोपित के वाट्सएप नंबर से जैतपुर इलाके में सक्रिय एक मोबाइल नंबर से बातचीत होने की जानकारी मिली।

उस नंबर के बारे में पता किया तो उस नंबर की लोकेशन रोहिणी इलाके में मिली। पुलिस टीम ने तत्काल छापा मारकर रोहिणी से आरोपित को दबोच लिया। उसकी पहचान मुकेश तिवारी के रूप में होने के बाद पुलिस ने उसके पास से दो सिम कार्ड और एक मोबाइल फोन बरामद कर लिया।

पूछताछ के दौरान आरोपित ने बताया कि उसने कोरोना महामारी के दौरान उसकी नौकरी छूट गई थी। इसी दौरान वह पाकिस्तान के खान नामक एक व्यक्ति के संपर्क में आया। इसके बाद उसके साथ मिलकर आरोपित ने एक व्यापारी के साथ एक्सटार्शन की वारदात को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान से कॉल करने की साजिश रची। यह भी सामने आया है कि आरोपित करीब 12 साल पहले शिकायतकर्ता के घर में ड्राइवर का काम करता था इसीलिए उसके पास परिवार के सभी लोगों के मोबाइल नंबर व जानकारी थी।

इंद्रपुरी के MCD स्कूल में 24 बच्चे बीमार
रहस्यमयी दुर्गंध बनी वजह! 15 RML तो 9 अन्य अस्पताल में भर्ती

शम्स आगाज जामेई

दिल्ली के इंद्रपुरी स्थित एमसीडी के एक स्कूल में शुक्रवार दिन में 24 बच्चे बीमार हो गए। कहा जा रहा है कि एक तेज रहस्यमयी दुर्गंध आई थी जिसके बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। जानकारी के अनुसार आरएमएल में भर्ती 15 में से 13 बच्चे ठीक हैं। दो को ऑक्सीजन लगाई गई है। मौके पर स्कूल में फोरेंसिक टीम के साथ अग्निशमन की टीम मौजूद है।

नई दिल्ली। दिल्ली के इंद्रपुरी स्थित जेजे कॉलोनी में एमसीडी का एक निगम प्रतिभा विद्यालय है, जहां शुक्रवार दिन में 24 बच्चे बीमार हो गए। इसमें से 15 विद्यार्थियों को आरएमएल में भर्ती किया गया जबकि 9 को आचार्य भिक्षु अस्पताल में दाखिल किया गया है। सभी बच्चे ठीक है।

कहा जा रहा है कि एक तेज रहस्यमयी दुर्गंध आई थी जिसके बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। जानकारी के अनुसार आरएमएल में भर्ती 15 में से 13 बच्चे ठीक हैं। दो को ऑक्सीजन लगाई गई है। सभी खतरे से बाहर हैं। मौके पर स्कूल में फोरेंसिक टीम के साथ अग्निशमन की भी टीम मौजूद है।

आरएमएल अस्पताल ने कहा बच्चियों को हुई फूड प्वाइजनिंग

आरएमएल अस्पताल के अनुसार बच्चियों को फूड प्वाइजनिंग हुई थी। आरएमएल अस्पताल में भर्ती 15 बच्चियों को दो से तीन घंटे में छुट्टी दे दी जाएगी।

एमसीडी का बयान

एमसीडी ने इस मामले में बयान जारी कर कहा है कि बच्चों के अस्पताल भर्ती होने का मामला दुर्भाग्यपूर्ण है। पास के रेलवे ट्रैक से गैस लीक होने की खबर है। 15 बच्चों को आरएमएल अस्पताल और 9 बच्चों को आचार्य भिक्षु अस्पताल में भर्ती कराया गया। एमसीडी के डॉक्टरों की एक टीम और शिक्षा विभाग की एक टीम भी अस्पताल में मौजूद है और हालात पर नजर बनाए हुए है।

ल्ली से गाजियाबाद के बीच चलने वाली 04486 व 04940 नंबर की ट्रेन 15 अगस्त को निरस्त कर दी गई है।

समारोह के समय लाल किला के पास से नहीं गुजरेंगी ट्रेनें, पूरी दिल्ली की बढ़ाई गई सुरक्षा

परिवहन विशेष न्यूज

स्वतंत्रता दिवस समारोह को ध्यान में रखकर लाल किला और उसके आसपास के साथ ही पूरी राजधानी की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। समारोह के समय लाल किला के नजदीक से ट्रेनों की आवाजाही बंद रहेगी। उस दौरान कई ट्रेनों को पुरानी दिल्ली साहिबाबाद गाजियाबाद व अन्य स्टेशनों पर रोक दिया जाएगा। कुछ ट्रेनों के मार्ग व समय में बदलाव किया गया है।

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस समारोह को ध्यान में रखकर लाल किला और उसके आसपास के साथ ही पूरी राजधानी की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। समारोह के समय लाल किला के नजदीक से ट्रेनों की आवाजाही बंद रहेगी।

उस दौरान कई ट्रेनों को पुरानी दिल्ली, साहिबाबाद, गाजियाबाद व अन्य स्टेशनों पर रोक दिया जाएगा। गाजियाबाद से पुरानी दिल्ली के बीच चलने वाली 04413 व 04447 नंबर की ट्रेन और पुरानी दिल्ली से गाजियाबाद के बीच चलने वाली 04486 व 04940 नंबर की ट्रेन 15 अगस्त को निरस्त कर दी गई है।

कुछ ट्रेनों के मार्ग व समय में बदलाव किया गया है। खुर्जा-शकूरबस्ती विशेष (04091), बुलंदशहर-तिलक ब्रिज विशेष (04339) साहिबाबाद-तिलक ब्रिज परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा। जम्मू तवी-टाटानगर मूरी एक्सप्रेस, लालगढ़- डिब्रुगढ़ अवध असम एक्सप्रेस, पुरानी दिल्ली-गाज़ियाबाद विशेष (04946) व सहारनपुर- पुरानी दिल्ली विशेष (04404) को मार्ग में रोककर चलाया जाएगा।

ट्रेनों के प्रस्थान समय में बदलाव

पुरानी दिल्ली -कोटद्वार सिद्धबली जनशताब्दी पुरानी दिल्ली से सुबह नौ बजे तथा पुरानी दिल्ली- अलीपुर द्वार सिक्किम महानंदा एक्सप्रेस सुबह 08.50 बजे प्रस्थान करेगी।

14 अगस्त को आजमगढ़- पुरानी दिल्ली कैफियत एक्सप्रेस आजमगढ़ से अपने निर्धारित समय से 90 मिनट की देरी से और देहरादून-दिल्ली मसूरी एक्सप्रेस देहरादून से 70 मिनट की देरी से चलेगी।

आंशिक रूप से निरस्त ट्रेनें

पुरानी दिल्ली-शामली-सहारनपुर विशेष (04401) पुरानी दिल्ली से सुबह 09.10 बजे रवाना होकर शामली में अपनी यात्रा समाप्त करेगी। वापसी में 04402 नंबर की ट्रेन शामली से पुरानी दिल्ली के लिए रवाना होगी।

पुरानी दिल्ली-अलीगढ़ विशेष (04288) गाजियाबाद से चलेगी।

पुरानी दिल्ली-शामली विशेष (01617 दिल्ली शाहदरा से रवाना होगी।

अलीगढ़- पुरानी दिल्ली विशेष (04931) गाजियाबाद तक चलेगी।

नूंह हिंसा के बाद अधिकतर लोगों ने घरों से पढ़ी जुमे की नमाज, रास्तों पर रहा पुलिस का पहरा

परिवहन विशेष न्यूज

साइबर सिटी और आसपास के इलाकों में नूंह हिंसा के बाद बने डर का माहौल पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। संभवत यही वजह है कि हिंसा के बाद दूसरे शुक्रवार को भी अधिकतर लोगों ने घरों में ही जुमे की नमाज पढ़ी। कहीं भी सार्वजनिक स्थान पर नमाज पढ़ने के लिए लोग नहीं पहुंचे। कुल मिलाकर राजीव चौक के नजदीक ईदगाह में ही नमाज पढ़ने वालों की संख्या दिखी।

गुरुग्राम। साइबर सिटी और आसपास के इलाकों में नूंह हिंसा के बाद बने डर का माहौल पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। संभवत यही वजह है कि हिंसा के बाद दूसरे शुक्रवार को भी अधिकतर लोगों ने घरों में ही जुमे की नमाज पढ़ी। कहीं भी सार्वजनिक स्थान पर नमाज पढ़ने के लिए लोग नहीं पहुंचे। कुल मिलाकर राजीव चौक के नजदीक ईदगाह में ही नमाज पढ़ने वालों की संख्या दिखी।

मस्जिदों में भी नमाज पढ़ने वालों की संख्या कम रही। सभी मस्जिद, ईदगाह के साथ ही सार्वजनिक स्थानों (जहां पर नमाज पढ़ते हैं) के आसपास पुलिस सक्रिय रही।

विश्व हिंदू परिषद की ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा पर नूंह के नलहड़ में 31 जुलाई को हमला किए जाने के बाद से साइबर सिटी व आसपास डर का माहौल बना हुआ है। हालांकि, प्रशासन के प्रयास से माहौल काफी बेहतर हुआ है। लेकिन स्थिति सामान्य होने में समय लगेगा। डर का माहौल ऐसा है कि सेक्टर-29 लेजर वैली मैदान में जहां जुमे की नमाज पढ़ने के लिए हजारों लोग पहुंचते थे, वहां पिछले दो शुक्रवार से एक भी व्यक्ति नहीं पहुंचा।

पुलिस का रहा पहरा

नमाज पढ़ने के लिए आने वाले लोगों को कोई परेशान न करे इसके लिए चारों तरफ पुलिस का पहरा रहा, इसके बाद भी कोई नहीं पहुंचा। लेजर वैली मैदान ही नहीं बल्कि कहीं भी सार्वजनिक स्थान पर लोग नमाज पढ़ने के लिए नहीं पहुंचे।

मस्जिदों की रौनक नहीं लौटी है। कुल मिलाकर राजीव चौक के नजदीक ईदगाह में ही अच्छी संख्या में लोग नमाज पढ़ने के लिए पहुंचे।

ईदगाह के चारों तरफ पुलिस का पहरा रहा। आसपास से गुजरने वाले वाहनों पर नजर रखी गई। संदिग्धों से पूछताछ की गई। इसी तरह सेक्टर-29 लेजर वैली मैदान के चारों तरफ पांच नाके लगाए गए थे। सभी नाकों पर वाहनों की जांच की गई। बाइक सवार तक से पूछताछ की गई। अधिकतर लोगों के घरों में नमाज पढ़ने का एक कारण गुरुग्राम इमाम संगठन के अध्यक्ष इमाम मोहम्मद अब्दुल हसीब कासमी की अपील भी रही।

उन्होंने समुदाय के लोगों से घरों में नमाज पढ़ने की अपील की थी। समुदाय के कई अन्य प्रबुद्ध लोगों ने भी माहौल पूरी तरह बेहतर होने तक घरों में ही जुमे की नमाज पढ़ने की अपील की थी।

राउंड पर रहे मुस्लिम समुदाय के प्रबुद्ध लोग

जुमे की नमाज के दौरान कहीं भी गड़बड़ी न हो, इसके लिए मुस्लिम समुदाय के प्रबुद्ध लोग राउंड पर रहे। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संयोजक खुर्शीद राजाका ने उद्योग विहार इलाके का दौरा किया। इलाके में दो जगह समुदाय के लोग नमाज पढ़ते हैं। पिछले शुक्रवार की तरह ही इस शुक्रवार को भी लोग सार्वजनिक जगहों पर नमाज पढ़ने के लिए नहीं पहुंचे।

खुर्शीद राजाका का कहना है कि जब माहौल खराब हो फिर हर समुदाय के लोगों को संयम व धैर्य से काम लेना चाहिए। कोई भी ऐसा कार्य नहीं करना चाहिए जिससे तनाव बढ़े। इस शुक्रवार को भी अधिकतर लोगों ने घरों में ही जुमे की नमाज पढ़कर बेहतर संदेश दिया है। राष्ट्र की मजबूती के लिए भाईचारे की भावना की डोर को मजबूत बनाना होगा। इसके लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक है।

अंडे के रुपये मांगने पड़े महंगे, कांच की बोतल और कुकर से फोड़ा सिर

गांव सोरखा के परमवीर सिंह ने पुलिस को बताया कि बृहस्पतिवार रात करीब 8.30 बजे वह शराब के ठेके के सामने ठेले पर भाई के साथ मिलकर अंडे बेच रहा था। तभी एक लड़का आया और उसने अंडे खाए लेकिन रुपये नहीं दिए। रुपये मांगने पर गाली-गलौज करने लगा। विरोध किया तो आरोपित ने उसके भाई के सिर पर कांच की बोतल और कुकर से वार कर सिर फोड़ दिया।

नोएडा। नोएडा कोतवाली सेक्टर-113 क्षेत्र में ठेले पर अंडा बेचने वाले को एक युवक से अंडे के रुपये मांगना भारी पड़ गया। रुपये मांगे तो युवक ने उस पर कांच की बोतल और कुकर से हमला कर सिर फोड़ दिया। पीड़ित ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

गांव सोरखा के परमवीर सिंह ने पुलिस को बताया कि बृहस्पतिवार रात करीब 8.30 बजे वह शराब के ठेके के सामने ठेले पर भाई के साथ मिलकर अंडे बेच रहा था। तभी एक लड़का आया और उसने अंडे खाए, लेकिन रुपये नहीं दिए। रुपये मांगने पर गाली-गलौज करने लगा।

स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल

विरोध किया तो आरोपित ने उसके भाई के सिर पर कांच की बोतल और कुकर से वार कर सिर फोड़ दिया। साथ ही जान से मारने की धमकी दी और भाग गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल को अस्पताल पहुंचाया। जहां उसका उपचार चल रहा है। कोतवाली प्रभारी जितेंद्र सिंह का कहना है कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

मकान दिलाने के नाम पर महिला से 49.50 लाख की ठगी, रुपये वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी

न्यूज परिवहन विशेष

मकान दिलाने के नाम पर महिला से 49 .50 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। रकम छह किश्तों में आरोपितों के खाते में ट्रांसफर की गई। अब बैनामा कराने से आरोपित मना कर रहे हैं। उसने कहा कि उन्होंने कोई रकम नहीं ली है और ना ही उनके बीच कोई सौदा हुआ। आरोपितों ने महिला से मारपीट करते हुए छेड़खानी की। जान से मारने की धमकी भी दी।

मोदीनगर। मकान दिलाने के नाम पर महिला से 49.50 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। रकम छह किश्तों में आरोपितों के खाते में ट्रांसफर की गई। अब बैनामा कराने से आरोपित मना कर रहे हैं। आरोप है कि कुछ दिन पहले आरोपितों ने उनके साथ मारपीट करते हुए छेड़खानी भी की।

जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। मामले में केस दर्ज कर पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। अमरोहा जिले की एक महिला को कुछ साल पहले मकान खरीदना था। इसके लिए उन्होंने मोदीनगर में एक युवक से संपर्क किया। उसने उन्हें मुलतानीपुरा पड़ाव में मकान दिखाया। उस मकान से महिला प्रभावित हुई और मकान खरीदने पर सहमति दी।

पचास लाख में तय हुआ सौदा

उनके बीच पचास लाख में सौदा हो गया। रकम एडवांस लेकर कुछ महीने बाद बैनामा कराने का भरोसा दिया। इसके बाद एक-एक कर आरोपित ने उनसे छह किश्तों में 49.50 लाख रुपये खाते में मंगा लिए। अब बैनामे की तारीख आने पर आरोपितों ने इनकार कर दिया। उसने कहा कि उन्होंने कोई रकम नहीं ली है और ना ही उनके बीच कोई सौदा हुआ।

आरोप है कि आरोपितों ने महिला से मारपीट करते हुए छेड़खानी की। जान से मारने की धमकी भी दी। मामले में पीड़िता ने मोदीनगर थाने में आरोपितों के खिलाफ शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। इस बारे में एसीपी मोदीनगर का कहना है कि आरोपित विक्की, अवनीश, रुचि, मीनू के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

साझेदारी के नाम पर 15 लाख रुपये ठगे

निवाड़ी थाना क्षेत्र में वाटर प्लांट में साझेदारी के नाम पर दंपती से 15 लाख रुपये ठग लिए गए। केस दर्ज कर पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। गाजियाबाद में कविनगर थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर की कोमल के मुताबिक, अगस्त 2022 में उन्होंने अपने पति विमल के साथ मिलकर निवाड़ी में अंकुश के वाटर प्लांट में 50 प्रतिशत की हिस्सेदारी ली थी।

इस एवज में 18 लाख रुपये अंकुश को दिए। दो महीने बाद अंकुश ने प्लांट में आना बंद कर दिया और साझेदारी समाप्त कर दी। इसके बाद आरोपित ने तीन लाख नगद बाकी 15 लाख के पांच चेक दिए। आरोप है कि सभी चेक बाउंस हो गए। विरोध पर आरोपितों ने उनके साथ मारपीट की। पुलिस ने अंकुश के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

महापंचायत में किसानों ने प्राधिकरण को दिया समय, कहा-दस दिन में हो जमीन की पैमाइश

महापंचायत में 28 संगठनों के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि किसानों के प्रति सरकार और प्रशासन के ढुलमुल व तानाशाही रवैये से किसान नाराज है। संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने कहा कि गौतमबुद्धनगर में तीन-तीन प्राधिकरण सरकार ने किसानों को लूटपाट के लिए थोप दिए।किसानों की जमीनों का बिना सूचना दिए गलत तरीके से अधिग्रहण कर बिल्डरों को भूखंड आवंटित कर मोटा मुनाफा कमाने का काम कर रहे है।

नोएडा। सेक्टर-142 शहदरा गांव में बिल्डर ग्रुप 108 व नोएडा प्राधिकरण के विरोध में 33 दिन से भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के नेतृत्व में किसानों का अनिश्चितकालीन धरना जारी है।

महापंचायत में 28 संगठनों के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि किसानों के प्रति सरकार और प्रशासन के ढुलमुल व तानाशाही रवैये से किसान नाराज है। संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने कहा कि गौतमबुद्धनगर में तीन-तीन प्राधिकरण सरकार ने किसानों को लूटपाट के लिए थोप दिए है।

किसानों की समस्या नहीं सुन रहा प्राधिकरण

किसानों की जमीनों का बिना सूचना दिए गलत तरीके से अधिग्रहण कर बिल्डरों को भूखंड आवंटित कर मोटा मुनाफा कमाने का काम कर रहे है। किसानों से किए गए वादों से मुकर रहे हैं। आज तक किसी भी प्राधिकरण ने मांगों को पूरा नहीं किया है।

ऐसे में एक कमेटी गठित की गई, जिसमें निर्णय लिया गया है कि किसानों की जो जमीन बिल्डर ने जबरदस्ती कब्जा कर लिया है। उसको मुक्त कराएंगे, बिल्डर की जो बाउंड्रीवाल हो रखी है, उसे तीन साइड तोड़ने का काम करेंगे। जैसे ही बलराज भाटी ने ये ऐलान किया, सभी इकट्ठा होकर बाउंड्रीवाल तोड़ने के लिए चल दिए, लेकिन इस दौरान मौके पर मौजूद पुलिस बल ने रोक दिया, जिससे किसानों और पुलिस के बीच नोक-झोंक होने लगी।

किसानों को शांत करने के बाद पुलिस की की जानकारी के बाद नोएडा प्राधिकरण भूलेख विभाग ओएसडी देवेंद्र प्रताप सिंह और लेखपाल प्रवेश दीक्षित मौके पर पहुंचे। विस्तार से वार्ता के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी को आश्वस्त किया कि बिल्डर ग्रुप 108 का काम तब तक नहीं चलेगा, तब तक किसान की जमीन की पैमाइश पूरी नहीं हो जाती है।

पैमाइश होने के बाद किसान की जमीन बिल्डर के अंदर से मुक्त कराई जाएगी। उसके बाद बिल्डर का काम चलेगा। इसके बाद गठित कमेटी ने सर्वसम्मति से प्रशासन की बात मानी ली गई। 10 दिन के अंदर जमीन की पैमाइश करके और बिल्डर से जमीन मुक्त कराकर किसान देने का समय दिया गया। इस मौके पर बीर सिंह भाटी, रेखा सिवाल, विजय प्रताप ठाकुर, हातम सिंह भाटी, सुनील फोजी, सुखबीर खलीफा, बीर सिंह नागर,, उद्यम लंबरदार, रामवीर भाटी, योगेश वैष्णव, अशोक कुमार भाटी, जगत सिंह भाटी, भंवर सिंह भाटी, वीर सिंह प्रधान, बाबा जग्गी भाटी,अवधेश यादव, विपिन खारी, दिनेश अवाना, मुकलेश, रजवंती, सुख पाली, पूनम पंडित समेत अन्य मौजूद रहे।

गाजियाबाद में छिप-छिपकर रहती थी रजनी प्रिया, मास्क पहन कर ही घर से निकलती

बृहस्पतिवार को उसकी गिरफ्तारी हुई कि लोग मामले को जानने के लिए चर्चा करते हुए नजर आए।

परिवहन विशेष न्यूज

राजेंद्र नगर के सेक्टर पांच में वेद एन्क्लेव अपार्टमेंट में रजनी प्रिया छिप-छिपकर रहती थी। वह घर से बाहर नहीं निकलती थी। कभी-कभार मास्क पहन कर ही निकलती थी। उसके घर में एक घरेलू सहायक था। उसे भी बाहर नहीं जाने देती थी जिसका वह विरोध करता था। बृहस्पतिवार को उसकी गिरफ्तारी हुई कि लोग मामले को जानने के लिए चर्चा करते हुए नजर आए।

गाजियाबाद। राजेंद्र नगर के सेक्टर पांच में वेद एन्क्लेव अपार्टमेंट में रजनी प्रिया छिप-छिपकर रहती थी। वह घर से बाहर नहीं निकलती थी। कभी-कभार मास्क पहन कर ही निकलती थी। उसके घर में एक घरेलू सहायक था। उसे भी बाहर नहीं जाने देती थी, जिसका वह विरोध करता था।

बृहस्पतिवार को उसकी गिरफ्तारी हुई कि लोग मामले को जानने के लिए चर्चा करते हुए नजर आए। पड़ोस के लोगों ने बताया कि रजनी प्रिया करीब चार साल से यहां पर किराये के फ्लैट में रहती थी। उसके फ्लैट एक घरेलू सहायक और एक युवक रहता था। युवक को अपना बेटा बताती थी।

नहीं दिखाती थी किसी को अपना मुंह

वह किसी को अपना मुंह भी नहीं दिखाती थी। बहुत कम ही वह फ्लैट से निकलती थी। उस वक्त वह मास्क लगा लेती थी। कई बार उसे लोगों ने टोका भी था कि अब तो कोरोना नहीं है। फिर आप मास्क लगाए बिना घर से नहीं निकलती हो। इसके बाद भी उसने कभी मास्क नहीं हटाया। सोसायटी की विभिन्न समस्याएं होती है। यहां आरडब्ल्यूए या फिर एओए नहीं है।

सोसाइटी के लोग ही मिलजुलकर सस्याओं को दूर कराते हैं। समस्याओं पर चर्चा करते हैं। कहने के बाद भी रजनी कभी चर्चा में शामिल नहीं होती थी। सोसाइटी का एक वॉट्सऐप ग्रुप हैं। कई बार उसे ग्रुप में जुड़ने के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन उसने ग्रुप में जुड़ने से मना कर दिया था।

घरेलू सहायक ने कर दिया था विरोध

लोगों ने बताया कि वह घरेलू सहायक भी अपने साथ लाई थी। उसे केवल सामान लेने के लिए बाहर भेजती थी। इसके अलाव उसे घर से बाहर नहीं निकलने देती थी। कुछ दिन पहले घरेलू सहायक ने घर के बाहर जाने की जिद की। मना करने पर उसने विरोध कर दिया और हंगामा खड़ा का दिया। इसके बाद सहायक के साथ मारपीट की थी। इस दौरान पड़ोस लोग एकत्रित हो गए थे। लोगों ने रजनी को जमकर फटकार लगाई थी।

पति को डॉक्टर बताती

पड़ोस के लोगों ने बताया कि महिला उन्हें संदिग्ध लगती थी। जिस वजह से वह उसके बारे में पूछते रहते थे, लेकिन वह कुछ भी बताने से कन्नी काट देती थी। एक दिन पड़ोसी ने पूछा कि उनके घर में कोई ड्यूटी तो करता नहीं है, फिर घर कैसे चलता है। उसने जवाब दिया कि उसका पति आस्ट्रेलिया में डॉक्टर है। वह वहां से पैसे भेजते हैं। लोगों ने इस पर सवाल किया कि वह चार साल में एक भी यहां क्यों नहीं आए? उसने इसका कोई जवाब नहीं दिया और अपने फ्लैट में चली गई।

पड़ोसियों को नहीं लगी गिरफ्तारी की भनक

दैनिक जागरण की टीम सोसाइटी में पहुंची तो वहां लोगों ने बताया कि उन्हें उसकी गिरफ्तारी का नहीं पत है। कुछ लोग सादे कपड़ों में आए थे और वह उसे साथ ले गए लेकिन उसे ले जाने वाले लोग कौन थे, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। जब मीडिया गई तो उन्हें पता चला कि उसे सीबीआइ ने गिरफ्तार किया है।

दिनदहाड़े दो बच्चों समेत पिता को किडनैप करने की कोशिश, गाड़ी में आरोपितों ने की मारपीट

नोएडा में बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। गुरुवार को सूरजपुर मेन मार्केट में स्कॉर्पियो में बदमाशों ने दो बच्चों समेत पिता को किडनैप करने का प्रयास किया है। इस दौरान बदमाशों ने गाड़ी में मारपीट भी की। सुभाष अपने बच्चों को स्कूल से लेकर घर लौट रहे थे। पीड़ित ने गोली चलने की बात कही है। हालांकि पुलिस ने इनकार कर दिया है।

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र स्थित कस्बा सूरजपुर में एचडीएफसी वाली गली के सामने से बृहस्पतिवार दिनदहाड़े ब्रेजा सवार युवकों ने स्कॉर्पियो सवार युवक व उसके दो बच्चों के अपहरण का प्रयास किया। दिनदहाड़े हुई घटना ने कानून व्यवस्था की पोल खोल दी है।

कार में युवक व उसके बच्चों का अपहरण करने के बाद आरोपितों ने युवक के साथ मारपीट शुरू कर दी। सुभाष के हाथ व आंख में गंभीर चोट लगी। स्वजन ने गोली चलने की बात भी कही, लेकिन पुलिस ने गोली नहीं चलने की बात कही है। अपहरण के बाद भागते दौरान गाड़ी डंपर से टकरा गई तो आरोपित मौके से पीड़ित युवक व उसके बच्चों को छोड़कर फरार हो गए।

स्कॉर्पियों से जा रहे थे पीड़ित

आरोपित उसी गांव के रहने वाले हैं, जिसका पीड़ित है। सुत्याना गांव के रहने वाले सुभाष कश्यप वर्तमान में कस्बा सूरजपुर में महामेधा वाली गली में परिवार के साथ रहते हैं। उसके दो बच्चे बेटी परी (11) व बेटा दक्ष (5) कस्बा स्थित केसीएस स्कूल में पढ़ते हैं। बृहस्पतिवार दोपहर डेढ़ बजे स्कूल की छुट्टी होने पर सुभाष अपने दो बच्चों को स्कॉर्पियो से लेकर घर जा रहे थे।

आरोपितों ने गाड़ी में की मारपीट

जैसे ही वह 100 मीटर चले तभी ब्रेजा कार सवार चार लोगों ने ओवरटेक कर सुभाष की गाड़ी रोक ली। चाबी छीनकर जबरन सुभाष की स्कॉर्पियो के अंदर घुस गए। आरोपितों ने सुभाष व उसके दोनों बच्चों को कार में ही बंधक बना लिया। विरोध करने पर मारपीट की। पिता व दो बच्चों का अपहरण कर आरोपित वहां से निकलने का प्रयास करने लगे।

खुद को घिरता देख फरार हो गए बदमाश

आरोपितों की ब्रेजा स्कॉर्पियो के आगे चल रही थी। आरोपित सुभाष को दादरी की तरफ ले जाने लगे। कुछ दूर आगे जाने पर जाम की स्थिति व लोगों को एकत्र होता देख स्कॉर्पियो की डंपर से टक्कर हो गई। बच्चों ने तेज तेज रोना शुरू कर दिया।

भाइयों नशा छोड़ दो लिखकर किशोरी ने की आत्महत्या, दीवार पर चिपकाया सुसाइड नोट

किशोरी ने बृहस्पतिवार रात को दो भाइयों का नशा छुड़वाने के लिए फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। दीवार पर पर्चे पर लिखा एक सुसाइड नोट पुलिस को मिला है। इसमें यह बात लिखी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक कौशांबी थाना क्षेत्र के एक टावर में एक 16 वर्षीय किशोरी तीन भाई और मां के साथ रहती थी।

गाजियाबाद/साहिबाबाद। कौशांबी थाना क्षेत्र के एक टावर में रहने वाली किशोरी ने बृहस्पतिवार रात को दो भाइयों का नशा छुड़वाने के लिए फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। दीवार पर पर्चे पर लिखा एक सुसाइड नोट पुलिस को मिला है। इसमें यह बात लिखी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नशे के आदी हैं दोनों भाई

पुलिस के मुताबिक, कौशांबी थाना क्षेत्र के एक टावर में एक 16 वर्षीय किशोरी तीन भाई और मां के साथ रहती थी। एक भाई पाक्सो एक्ट के मामले में जेल में है, जबकि दो भाई नशे के आदी हैं।

गुरुवार को सुबह किशोरी की मां काम पर चली गई थीं। दोनों भाई बाहर थे। रात को मां घर लौटीं गेट खटखटाया, लेकिन गेट नहीं खुला। उन्होंने पड़ोसियों को जानकारी दी। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस मौके पर पहुंची और पड़ोसियों की मदद से दरवाजे की कुंडी तोड़कर अंदर गई तो किशोरी का शव फंदे से लटका हुआ था। लोग अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दीवार पर चिपकाया था सुसाइड नोट

पुलिस ने बताया कि फ्लैट में जिस कमरे में किशोरी ने फंदा लगाया था। उसमें एक दीवार पर कागज पर लिखा सुसाइड नोट टेप से चिपका हुआ था। जिसमें लिखा था।मम्मी मेरी बात सुनो मेरी मौत में किसी का हाथ नहीं है। मैं फंदा इसलिए लगा रही हूं कि दोनों भाई नशा छोड़ दें। अपनी मौत का जिम्मेदार किसी को नहीं बताया है। अंत में मिस यू आल फैमिली लिखा है।

इस बारे में इंदिरापुरम के सहायक पुलिस आयुक्त, स्वतंत्र कुमार सिंह ने कहा कि किशोरी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके से सुसाइड नोट बरामद हुआ है। स्वजन की ओर से पुलिस को कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

भारत में लॉन्च हुई मिनी कूपर एसई ईवी चार्ज्ड एडिशन, केवल 20 यूनिट्स ही होंगी उपलब्ध

परिवहन विशेष न्यूज

मिनी कूपर एसई का बाज़ार में सीधे तौर पर किसी से मुकाबला नहीं होता है, हालांकि कीमत के लिहाज से इसका मुकाबला हुंडई आयोनिक 5, वोल्वो एक्ससी 40 रिचार्ज और किआ ईवी 6 जैसी कारों से होता है.

वाहन निर्माता कंपनी मिनी इंडिया ने कूपर एसई ईवी का चार्ज्ड एडिशन भारत में लॉन्च कर दिया है. इसकी एक्स शोरूम कीमत 55 लाख रुपये रखी गई है. इसकी कीमत इसके स्टैंडर्ड मॉडल से 1.5 लाख रुपये ज्यादा है. यह पूरी तरह से सीबीयू यूनिट के तौर पर भारत में आएगी, हालांकि इसकी केवल 20 यूनिट्स ही उपलब्ध होगी.

मिनी कूपर एसई चार्ज्ड एडिशन का एक्सटीरियर

मिनी कूपर के चार्ज्ड एडिशन को केवल चिली रेड कलर में रूफ, विंग मिरर, लाइट सराउंड, हैंडल और व्हाइट फिनिश लोगो में पेश किया गया है. इसमें बोनट, टेलगेट और दरवाज़ों पर पीली धारियों से सजी मैट रेड धारियां भी दी गई हैं. इसमें पीले रंग के एक्सेंट के साथ 17 इंच के अलॉय व्हील दिए गए हैं, जो स्टैंडर्ड मिनी कूपर एसई में भी मिलता है.

इंटीरियर और स्पेसिफिकेशन

इंटीरियर के साथ-साथ फीचर लिस्ट को भी स्टैंडर्ड कूपर एसई के समान रखा गया है. इसमें पीले रंग के एक्सेंट के साथ 8.8-इंच की टचस्क्रीन और 5.5-इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के साथ एक फुल ब्लैक इंटीरियर दिया गया है. चार्ज्ड एडिशन में टॉगल स्विच और मीडिया कंट्रोल के लिए एक ही राउंड यूनिट टचस्क्रीन दिया गया है.

पावरट्रेन

चार्ज्ड एडिशन के पावरट्रेन की बात करें तो इसमें एक इलेक्ट्रिक मोटर दिया गया है, जो 184hp पॉवर और 270Nm टॉर्क जेनरेट करता है. इसे 32.6kWh बैटरी पैक से जोड़ा गया है. इसमें फ्रंट व्हील ड्राइव सिस्टम मिलता है. यह कार 0-100kmph की स्पीड केवल 7.3 सेकंड में पकड़ लेती है और इसकी टॉप स्पीड 150kmph है. कंपनी का दावा है कि कूपर एसई में 270 किमी तक की डब्ल्यूएलटीपी-प्रमाणित रेंज मिलेगी. इसे 50 किलोवाट के डीसी फास्ट चार्जर के जरिए 36 मिनट में 0-80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है. इसके साथ स्टैंडर्ड 11kW वॉलबॉक्स चार्जर मिलेगा, जिससे इसे 2 घंटे 30 मिनट में 0-80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है, जबकि 2.3kW चार्जर से इसे 9 घंटे 43 मिनट में चार्ज किया जा सकता है.

किससे होगा मुकाबला

मिनी कूपर एसई का बाज़ार में सीधे तौर पर किसी से मुकाबला नहीं होता है, हालांकि कीमत के लिहाज से इसका मुकाबला हुंडई आयोनिक 5, वोल्वो एक्ससी 40 रिचार्ज और किआ ईवी 6 जैसी कारों से होता है.

हुंडई जल्द ही पेश करेगा अपनी एक्सटर ईवी , टाटा पंच ईवी होगी टक्कर में

हुंडई मोटर इंडिया ने इस साल की शुरुआत में 2028 तक छह नए इलेक्ट्रिक वाहन लॉन्च करने की अपनी योजना का खुलासा किया था। कंपनी अपने ईवी सेगमेंट के लिए 4,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की तैयारी कर रही है। हालांकि, कंपनी का फोकस छोटी कारों की तरफ ज्यादा है। हुंडई ने पुष्टि की है कि वॉल्यूम बढ़ने पर वह ईवी समर्पित प्लांट स्थापित करेगी। फिलहाल कंपनी अपने इलेक्ट्रिक वाहनों का निर्माण तमिलनाडु स्थित प्लांट में करेगी। इसके अलावा, हुंडई अगले पांच वर्षों में प्रमुख शहरों और राजमार्गों पर 100 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना पर काम कर रही है। जिसमें 85 सिंगल फास्ट चार्जिंग स्टेशन (DC 60kW), 10 सिंगल फास्ट चार्जिंग स्टेशन (DC 150kW) और 5 डुअल अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन (DC 150kW + DC 60kW) शामिल हैं।

एक्सेटर का परीक्षण शुरू हुआ

Hyundai मोटर इंडिया अपनी मेड-इन-इंडिया EV को 2024 में किसी भी समय बाजार में पेश कर सकती है। हाल ही में Hyundai Xtor EV प्रोटोटाइप को टेस्टिंग के दौरान देखा गया था, जिसे अगले साल लॉन्च किया जा सकता है। यह माइक्रो एसयूवी भारत में हुंडई की पहली मास-मार्केट इलेक्ट्रिक कार होगी। इसका मुकाबला टाटा पंच ईवी से होगा। हालांकि, इसके बैटरी पैक और रेंज के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिली है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस ईवी में करीब 25-30kWh का बैटरी पैक मिल सकता है। इसमें करीब 300 से 350 किलोमीटर तक की रेंज मिल सकती है।

डिज़ाइन

ईवी के अनुरूप इसके एक्सटीरियर और इंटीरियर में कुछ बदलाव किए जाने की संभावना है। एक्सटर ईवी पर कई जगहों पर नीले रंग के एक्सेंट के साथ एक बंद फ्रंट ग्रिल देखी जा सकती है। बाकी अन्य आंतरिक विवरण आईसीई मॉडल के समान होने की संभावना है।

कितनी होगी लागत?

नई Hyundai Xtor EV की कीमत टाटा पंच EV की कीमत के आसपास हो सकती है। फिलहाल टाटा पंच के ICE मॉडल की कीमत 6 लाख रुपये से 10 लाख रुपये के बीच है। जबकि Xtor की एक्स-शोरूम कीमत रुपये से शुरू होती है। 5.99 लाख.

कौन मुकाबला करेगा

एक्सेटर ईवी का मुकाबला टाटा पंच ईवी से होगा, जिसे इस साल त्योहारी सीजन के दौरान लॉन्च किया जा सकता है। उम्मीद है कि इस कार की रेंज 300 किमी से ज्यादा होगी।

ईवी इंडस्ट्री में स्टॉर्टअप्स कंपनियों का कितना योगदान? एक्सपर्ट्स से समझें भारत में EV का क्या है भविष्य

यह पहल अपने कार्यबल को सशक्त बनाने और साझा सफलता की संस्कृति को बढ़ावा देने की कंपनी की प्रतिबद्धता की दिशा में एक कदम आगे है. Zypp Electric का दावा है कि यह भारत में ESOP बायबैक की पेशकश

भारत की ईवी इंडस्ट्री की पूर्ण आपूर्ति श्रृंखला में 2030 तक कुल राजस्व 76 अरब डॉलर से 100 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इसके अलावा भारत अब चीन और अमेरिका के बाद दुनिया के तीसरे सबसे बड़े व्हीकल मार्केट की पॉजिशन हासिल करने के लिए जापान से आगे निकल चुका है। भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री की वर्तमान वैल्यू लगभग 7.5 ट्रिलियन डॉलर की है।

पिछले कुछ सालों के इलेक्ट्रिक व्हीकल को लेकर आप क्रेज देख रहे होंगे। इस सेक्टर में स्टॉर्टअप्स कंपनियों का सबसे बड़ा योगदान है। इलेक्ट्रिक टू- व्हीलर में सबसे अधिक मार्केट शेयर भी स्टॉर्टअप्स कंपनियों के पास है। इस खबर के माध्यम से आपको ईवी इंडस्ट्री का भारत में भविष्य क्या है और स्टॉर्टअप्स कंपनियों का कितना योगदान है, इसके बारे में बताने जा रहे हैं।

भारत में EV का क्या है भविष्य ?

न्यूरॉन एनर्जी के सीईओ और सह-संस्थापक प्रतीक कामदार का भारत में ईवी का भविष्य को लेकर कहना है कि भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री की वर्तमान वैल्यू लगभग 7.5 ट्रिलियन डॉलर की है। हाल ही में जम्मू-कश्मीर में मिले 5.9 मिलियन टन के उच्च श्रेणी के लिथियम ने इस आशाजनक परिदृश्य को और बढ़ा दिया है। चूंकि लिथियम इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) को बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कंपोनेंट है, भारत अब अपने शून्य-उत्सर्जन गतिशीलता उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति करने की प्रमुख स्थिति में है।

भारत जापान से आगे

बेन एंड कंपनी के अनुसार, भारत की ईवी इंडस्ट्री की पूर्ण आपूर्ति श्रृंखला में 2030 तक कुल राजस्व 76 अरब डॉलर से 100 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इसके अलावा, भारत अब चीन और अमेरिका के बाद दुनिया के तीसरे सबसे बड़े व्हीकल मार्केट की पॉजिशन हासिल करने के लिए जापान से आगे निकल चुका है।

ईवी इंडस्ट्री में स्टॉर्टअप कंपनियों का कितना योगदान?

भारतीय स्टार्टअप स्वच्छ, हरित कल की ओर आगे बढ़ रहे हैं। अत्याधुनिक तकनीक और आविष्कारी समाधानों के साथ, कमियों को दूर कर रहे हैं, सामर्थ्य और दक्षता के बीच तालमेल बिठा रहे हैं और ईवी इकोसिस्टम का लोकतंत्रीकरण कर रहे हैं। उनकी अदम्य भावना अभूतपूर्व प्रगति ला रही है, सुलभ चार्जिंग बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जा रहा है और

देश को ऊर्जा के लिए आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। यह विकास सहयोग के लिए एक उल्लेखनीय अवसर प्रस्तुत करता है, क्योंकि यह सरकारी संस्थाओं, स्थापित निगमों और साथी स्टार्टअप के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाने को प्रोत्साहित करता है।

प्रतीक कामदार का कहना है कि स्टार्टअप ईवी इंडस्ट्री में नए विचारों और साहसी उद्यमों से प्रवेश कर रहे हैं। जैसे-जैसे स्टार्टअप इस ऑटोमोटिव नवयुग को बढ़ावा देते हैं, उत्कृष्टता के लिए उनकी निरंतर खोज हम सभी को एक उज्जवल भविष्य की ओर प्रेरित करती है। साथ मिलकर, हम नवाचार की परिवर्तनकारी शक्ति को देखते हैं,एक विद्युतीकरण शक्ति जो आने वाली पीढ़ियों के लिए भारत की नियति को आकार प्रदान करेगी।

ज्ञानवापी मंदिर को लेकर बढ़ता विवाद

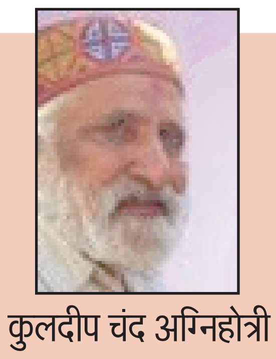

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> काशी के ज्ञानवापी ढांचे को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। अशरफ समुदाय के लोग इस ढांचे को मस्जिद कहते हैं और आम भारतीय इसे मंदिर मानता है। यह ढांचा काशी के ऐतिहासिक विश्वनाथ मंदिर के आधे हिस्से में बना हुआ है। नंदी बैल का तो मुंह ही ज्ञानवापी ढांचे की ओर है। कुछ समय पहले ढांचे में बजूखाना की जांच पड़ताल हुई थी।

कहते हैं इतिहास बड़ा क्रूर होता है। अंग्रेज आ गए। अशरफ समुदाय जल्दी ही अंग्रेजों के साथ खड़ा हो गया। पहले तो वह केवल देव मंदिरों को ही तोड़ता था, लेकिन उसने भारत माता को ही खंडित करने की रणनीति अपना ली। 1947 में भारत खंडित हो गया। भारतीयों की अपनी सरकार बन गई। लेकिन दुर्भाग्य से सत्ता जिन भारतीयों के हाथ में आई उन्होंने विदेशी आक्रमणकारी अरबों, तुर्कों और मुगलों को भी अपना मान कर दिल्ली में औरंगजेब, जहांगीर, शाहजहां को भारत के महापुरुष मान कर उनके नाम पर सडक़ों के नाम रखने शुरू कर दिए। इतना ही नहीं, इन द्वारा मस्जिदों के नाम पर निकाले गए गजट नोटिफिकेशनों और विजय स्तम्भों की रक्षा करनी शुरू कर दी। अब ज्ञानवापी ढांचे का सर्वेक्षण हो रहा है। अशरफ समाज के साथ-साथ औरंगजेब को अपना महापुरुष मानने वाले 'भारतीयों' की रात की नींद भी हराम होने लगी है। लेकिन भारत जाग गया है। देर-सवेर ज्ञानवापी पर हिंदुओं के समर्थन में फैसला आएगा'

काशी के ज्ञानवापी ढांचे को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। अशरफ समुदाय के लोग इस ढांचे को मस्जिद कहते हैं और आम भारतीय इसे मंदिर मानता है। यह ढांचा काशी के ऐतिहासिक विश्वनाथ मंदिर के आधे हिस्से में बना हुआ है। नंदी बैल का तो मुंह ही ज्ञानवापी ढांचे की ओर है। कुछ समय पहले ढांचे में बजूखाना की जांच पड़ताल हुई थी। बजूखाना उस जगह को कहते हैं जहां से श्रद्धालु नमाज पढऩे से पहले हाथ मुंह आदि धोते हैं। यह जांच न्यायालय के आदेश के बाद ही हुई थी। वहां बजूखाना में से शिवलिंग होने के प्रमाण मिले। लेकिन अशरफ समुदाय इस बात पर अड़ा है कि यह शिवलिंग न होकर फव्वारा है। अब वहां पुलिस बिठा दी गई है। लेकिन मामला यहीं शान्त नहीं हुआ। न्यायालय में कुछ लोगों ने याचिका दायर कर दी कि ज्ञानवापी ढांचे के अन्दर पूजा पाठ करने का अधिकार मिलना चाहिए। उसी सिलसिले में न्यायालय ने ढांचे को बिना कोई क्षति पहुंचाए, भारत के पुरातत्व सर्वेक्षण के निदेशक को ज्ञानवापी ढांचे का सर्वे करने का आदेश दिया। अशरफ समुदाय इस सर्वे को रुकवाने के लिए उच्चतम न्यायालय तक पहुंचा। लेकिन इधर उधर घूम कर अशरफ समाज वापस ज्ञानवापी ही पहुंच गया। न्यायालय ने सर्वे को रोकने का आदेश जारी करने से इंकार कर दिया।

अब वहां सर्वे का काम चालू है। लेकिन असली प्रश्न है कि अशरफ समाज या एटीएम (अरब-तुर्क-मुगल मंगोल) मूल के मुसलमान सर्वे का विरोध क्यों कर रहे हैं? पुरातत्व विभाग ने न्यायालय में शपथ पत्र दिया है कि सर्वेक्षण के दौरान ढांचे को कोई नुकसान नहीं होगा। न ही इस दौरान ढांचे के भीतर कहीं खुदाई की जाएगी। इसके बावजूद अशरफ समुदाय को किस बात का डर है? इसमें कोई शक ही नहीं कि औरंगजेब के शासनकाल में काशी विश्वनाथ का यह मंदिर तोड़ा गया था। लेकिन जब उसकी जगह यह नया ढांचा बनाया गया तो पुराने मंदिर के इतने प्रमाण क्यों छोड़े गए? मंदिर के मलबे को पूरी तरह हटा कर वहां मस्जिद का नया ढांचा बनाया जा सकता था। वे प्रमाण ही अब अशरफ समुदाय के लिए जी का जंजाल बन गए हैं। इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए मुगल या उससे पूर्व सल्तनत काल के विदेशी शासकों की मानसिकता को समझना होगा। वे मंदिर तोड़ कर मस्जिद नहीं बना रहे थे। मस्जिद बनाने के लिए तो काशी, अयोध्या और मथुरा में बहुत जमीन पड़ी थी। मुगल शासक बन गए थे। वे कहीं भी मस्जिद बना सकते थे। वे तो इस देश में अपनी विजय का गजट नेटिफिकेशन प्रकाशित कर रहे थे। आजकल जब शासन बदलता है, नया मुख्यमंत्री बनता है तो गजट नोटिफिकेशन निकाला जाता है। जयराम ठाकुर की जगह सुखविंदर सिंह सुक्खू मुख्यमंत्री बने तो शासन ने गजट नोटिफिकेशन निकाल कर इसकी बाकायदा सूचना जारी कर दी ताकि हर आम और खास को आधिकारिक तौर पर इस परिवर्तन का पता चल जाए। लेकिन मुगल शासन काल में शासन परिवर्तन का गजट नोटिफिकेशन देश के सर्वमान्य प्रतीकों को नष्ट करके उसके स्थान पर अपने देश के प्रतीकों का निर्माण करके ही किया जाता था।

काशी विश्वनाथ मंदिर से बड़ा प्रतीक भला इस नोटिफिकेशन के लिए और क्या हो सकता था? लेकिन जब सत्ता बदल गई तो क्या बाबर, औरंगजेब द्वारा बनाए गए इन नोटिफिकेशनों को हटाने की जरूरत नहीं है? इस प्रश्न पर देश को तटस्थ मन से विचार करना चाहिए। अशरफ समुदाय को भी विचार करना चाहिए कि उनके पूर्वजों ने इस देश पर हमला करके इसको जीता था, जगह जगह मंदिरों को गिरा कर अपनी जीत के विजय स्तम्भों का निर्माण किया था, लेकिन बदले हालात में इन विजय स्तम्भों की जरूरत नहीं है। अशरफ समुदाय में से भी सैयद बिरादरी इस मामले में नेतृत्व प्रदान कर सकती है। इसी से जुड़ा हुआ दूसरा प्रश्न और गहरा है। ये विजय स्तम्भ बनाते हुए अशरफ समाज के मुगल शासकों ने मंदिरों की मूर्तियों को तोड़ कर उन्हीं का प्रयोग नवनिर्माण में क्यों किया? दरअसल मंदिर को तोडऩा और मूर्तियों को खंडित करना भारतीयों को अपमानित करने का एक तरीका भी था। औरंगजेब के सिपहसालार मंदिर तोड़ रहे हैं, संघर्ष हो रहा है, लेकिन देखते देखते मंदिर धराशायी हो जाता है। मंदिर को भगवान का घर मानने वाले भारतीय निस्सहाय देख रहे हैं। लेकिन यहीं यह प्रकरण समाप्त नहीं हो जाता। फिर देव मूर्तियां तोड़ी जा रही हैं। यदि ये खंडित देव मूर्ति भी भारतीयों के हवाले कर दी जाती तब भी वे विधि विधान से जल में प्रवाहित कर सकते थे। खंडित देव मूर्ति के बारे में यह शास्त्रीय विधान है। लेकिन विदेशी शासक ये खंडित देव मूर्तियां भी भारतीयों के हवाले नहीं करता। वह इसे मस्जिद के नाम पर बनाए जा रहे नए ढांचे की सीढियों में लगा रहा है।

अशरफ समुदाय के लोग जब मस्जिद में आते हैं तो प्राकारान्तर से इन देव मूर्तियों पर चढ़ कर आगे बढ़ते हैं। पराजित जाति का इससे बड़ा अपमान क्या हो सकता था? तथाकथित मस्जिद के हर हिस्से में देव मूर्तियों के अंग समाए हुए हैं। इस प्रकार के ढांचों को देख कर ही भारतीयों के मन में मुगल शक्ति का आभास होता था। समय बदला। अरब गए, तुर्क गए और मुगल भी चले गए। कहते हैं इतिहास बड़ा क्रूर होता है। अंग्रेज आ गए। अशरफ समुदाय जल्दी ही अंग्रेजों के साथ खड़ा हो गया। पहले तो वह केवल देव मंदिरों को ही तोड़ता था, लेकिन उसने भारत माता को ही खंडित करने की रणनीति अपना ली। 1947 में भारत खंडित हो गया। भारतीयों की अपनी सरकार बन गई। लेकिन दुर्भाग्य से सत्ता जिन भारतीयों के हाथ में आई उन्होंने विदेशी आक्रमणकारी अरबों, तुर्कों और मुगलों को भी अपना मान कर दिल्ली में औरंगजेब, जहांगीर, शाहजहां को भारत के महापुरुष मान कर उनके नाम पर सडक़ों के नाम रखने शुरू कर दिए। इतना ही नहीं, इन द्वारा मस्जिदों के नाम पर निकाले गए गजट नोटिफिकेशनों और विजय स्तम्भों की रक्षा करनी शुरू कर दी। अब ज्ञानवापी ढांचे का सर्वेक्षण हो रहा है। अशरफ समाज के साथ-साथ औरंगजेब को अपना महापुरुष मानने वाले 'भारतीयों' की रात की नींद भी हराम होने लगी है। लेकिन भारत जाग गया है। देर-सवेर ज्ञानवापी पर हिंदुओं के समर्थन में फैसला आएगा।

संपादक की कलम से

भारत की हत्या संभव नहीं

प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर नहीं गए, क्योंकि वह मणिपुर को हिन्दुस्तान का हिस्सा नहीं मानते। उन्होंने मणिपुर को दो भागों में बांट दिया है। मणिपुर में भारत की हत्या कर दी हैभारत माता की हत्या की गई हैमेरी मां की हत्या की गई है, क्योंकि मणिपुर की सरजमीं ही मेरी मां है। यही भारत माता है। यही हिन्दुस्तान है, जिसे मारा जा रहा है। सत्ता-पक्ष की ओर इशारा करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा-ये देश के रखवाले नहीं, हत्यारे हैं। ये देशद्रोही हैं, देशभक्त और देशप्रेमी नहीं हैं। कांग्रेस सांसद का यह अत्यंत गंभीर आरोप था कि सरकार पूरे देश में केरोसिन (मिट्टी का तेल) फेंक रही है। फिर चिंगारी देकर आग लगा रही है। मणिपुर को जलाने के बाद इन्होंने हरियाणा में भी आग लगाई। ये पूरे देश को जला देना चाहते हैं।'' अविश्वास प्रस्ताव पर लोकसभा में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के वक्तव्य का यह आक्रामक, आवेशी, अभूतपूर्व और एंग्री यंगमैन वाला अंदाज था। भाषण की शब्दावलि ऐसी नहीं थी कि वह संसद के सदन में बोली जा सके। स्पीकर ओम बिरला ने भी उन्हें दो-तीन बार टोका कि सदस्य संयम से बोलें। भारत माता हम सब की मां है, लेकिन राहुल गांधी के आक्रोशी, तीखे तेवर बरकरार रहे। सांसदी बहाल होने के बाद यह उनका पहला वक्तव्य था। वह इस नाजुक मौके को भुना सकते थे। उन्होंने करीब 40 मिनट तक भाषण दिया, जिसमें करीब 15 मिनट तक उनके तेवर बेहद आक्रामक रहे। उन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा' के कुछ संस्मरणों से वक्तव्य की शुरुआत की। बेहद संयत और शांत अंदाज में बोलते रहे। सदन को विश्वास दिलाया कि आज आप आराम से बैठें। वह ऐसा कुछ नहीं बोलेंगे, जो आपको चुभे।

यह उनकी रणनीति हो सकती थी, क्योंकि वह अचानक मणिपुर पर आए। अपने प्रवास के दौरान जिन दो महिलाओं से मिले, उनकी पीड़ा, दुख, मुश्किलों के बारे में सदन को बताते रहे। अचानक आक्रामक हो गए। फिलहाल यह जानकारी नहीं मिल पाई कि राहुल गांधी के भाषण का कितना अंश 'रिकॉर्ड' से बाहर निकाल दिया गया है। राहुल ने संसद में भावुक और उत्तेजित भाषण दिया और अपने पक्षधर समर्थक-समूह को संबोधित कर संदेश दे दिया। दरअसल राहुल का भाषण लाक्षणिक भी था। जिस तरह भारत को एक 'आवाज' मानते हुए उन्होंने 'लक्षणा' शब्द-शक्ति का प्रयोग किया, उसी तरह उन्होंने मणिपुर को 'जीवंत प्राणी' माना, जिसकी हत्या की गई। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी अमेठी संसदीय क्षेत्र में राहुल गांधी की राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी रही हैं और 2019 के आम चुनाव में वह विजयी रही थीं। राहुल अब केरल के वायनाड से सांसद हैं। भाजपा ने पलटवार के लिए स्मृति को ही उतारा। उन्होंने भी आक्रामक जवाब में हुंकार भरी कि भारत कभी भी खंडित नहीं किया जा सकता, लिहाजा उसकी हत्या का प्रश्न ही नहीं उठता। मणिपुर भारत का अभिन्न अंग है। हमारा भी यही मानना है कि भारत या भारत माता की हत्या असंभव है। राहुल कुछ और शब्दों का इस्तेमाल कर सकते थे। भारत माता तो अखंड, अजर, अमर, अविभाजित है। बहरहाल स्मृति ईरानी ने आपातकाल, सिख-विरोधी दंगों, कश्मीरी पंडित महिलाओं का सामूहिक बलात्कार और बर्बर हत्याएं, राजस्थान में 14 साल की नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म के बाद उसे भ_ी में जला देने की दरिंदगी और बंगाल में औरतों के साथ अमानवीय अत्याचार आदि घटनाओं का जिक्र कर स्थापित करने की कोशिश की कि इतिहास खून से सना है, फिर भी भारत मां का अस्तित्व यथावत, जिंदा मौजूद है। बीते संपादकीय में हमने विश्लेषण किया था कि अविश्वास प्रस्ताव खासकर मणिपुर के हालात पर है, लेकिन 2024 के मद्देनजर सियासत ज्यादा खेली जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने घर, बिजली, गैस, पानी, शौचालय, मुफ्त अनाज, बैंक खातों में नकदी पैसा, किसान सम्मान राशि से लेकर दलित, पिछड़ों, आदिवासियों, किसानों, महिलाओं, नौजवानों तक मोदी सरकार की विभिन्न नीतियों के ब्योरे भी पेश किए।

राय

सियासी खामियों के ढेर

हिमाचल में राजनीति हमेशा अस्थिर होकर अपना भविष्य खोजती रही है और यही इतिहास प्रदेश के नेतृत्व में बेडियां खोजता रहा है। हो सकता है छोटे प्रदेश की सियासी निशानियों में ऐसा स्वाभाविक दोष रहता है, फिर भी हिमाचल राजनीतिक अस्थिरता के दलदल में फंसा नहीं। कम से कम इसका आकार, जनता का आधार और सामाजिक निगरानी की परंपराओं ने प्रदेश को अस्थिर राजनीति का शिकार नहीं होने दिया। बेशक सियासी नेतृत्व ने एक हद तक जिम्मेदारी ओढ़ी या लगातार प्रभुत्व में बने रहने के संस्कारों ने नेताओं के खास सरोकार पैदा किए, फिर भी पूरे प्रदेश की परिपाटी में कमोबेश हर सरकार में कुछ नेता नगीने, तो कुछ बेगाने हो जाते हैं। हमेशा सत्तारूढ़ दल की निगाहों में कुछ इलाके खास, तो कुछ आम भी नहीं रह पाते। दरअसल हर सत्ता के शीर्ष से दुआएं मांगती जनता जब फरमाबरदारी में विभक्त हो जाती है, तो उसका सबसे बड़ा आधार सरकार के भीतर चहेते विधायकों का राजपाठ होने लगा है। तमाम सत्ता के पद और सत्ता के लाभ जिस तरह अपने खास पसंद के लोगों में बंटते हैं या सियासी दोस्तियों में सरकारें चलने लगी हैं, उसके कारण खामियों की विरासत का भी ढेर लग जाता है। यह सत्ता और विपक्ष के बीच भी आपसी प्रहार का अवसर बन जाता है, जहां विरोध के लिए ऐसी खामियों के ढेर कुरेदे जाते हैं। विडंबना यह कि हर सरकार की खामियों का ढेर कांगड़ा की नसीहतों में पलने लगा है और हर बार का विपक्ष इसे कुरेदता है। कुछ इसी तरह वर्तमान सत्ता की सीढियों पर जहां कांग्रेस का सूरज चमक रहा है, वहीं कांगड़ा में सरकार की पैमाइश विपक्ष कर रहा है। इस बहाने कांगड़ा को तपाया जाने लगा है, फिर भी प्रश्न यह कि क्या इस भूगोल को तपाना इतना आसान है या यह भी कि हमेशा सरकार बनाने वाला यह इलाका अपने ही नेताओं की दुर्गति का मजाक देख कर संयम की राजनीति परोसता रहेगा। भाजपा की ओर से कांगड़ा की कमान थामे पूर्व मंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष रहे विपिन सिंह परमार, पार्टी के महामंत्री त्रिलोक कपूर व कांगड़ा के विधायक पवन काजल ने एक अभियान के तहत क्षेत्र की अनदेखियों को लेकर सीधा हमला बोला है। ये नेता कांगड़ा-चंबा संसदीय क्षेत्र की संवेदना पर अगर सरकार से सवाल पूछ रहे हैं, तो यह आगामी चुनाव का मसाला व बहाना भी हो सकता है, लेकिन इस राजनीतिक गणना में कहीं सुरों का मसला तो कहीं लय का प्रश्न तो उठेगा ही। भाजपा के सवालों में मुख्यमंत्री का शीतकालीन प्रवास, कांगड़ा से कम मंत्रियों की पड़ताल और धर्मशाला सचिवालय की अहमियत में आया रिसाव भी है, लेकिन यह रूठी घंटियों का ऐसा व्यवहार है जो हर सरकार में यहां के राजनीतिक किरदार को नीचा दिखाता है। बेशक पिछली सरकार में मंत्रियों की संख्या मात्रात्मक दृष्टि से बेहतर थी, लेकिन दिग्गज नेताओं से सरदारी छीनी जरूर गई थी। रमेश धवाला, किशन कपूर व विपिन सिंह परमार का मंत्री पद पर न होता, कुछ तो सालता रहा होगा। इस बार भी सुधीर शर्मा का मंत्रिमंडल में न होना, इज्जतबख्श फैसला कतई नहीं माना जाएगा। हो सकता है शिकवे हों, लेकिन क्षेत्रीय मलाल में अगर नेताओं की हैसियत व हसरत डूब जाए तो राजनीतिक पाप को पुण्य तो नहीं बताया जा सकता। कहना न होगा कि राजनीति की रिवायतों में अगर प्रदेश अपनी सत्ता की महत्त्वाकांक्षा में कांगड़ा के नेताओं को माइनस करके खुश है, तो भाजपा नेताओं की हलचल केवल कांग्रेस से ही नहीं पूछ रही, बल्कि सवाल तो भाजपा की सीढियों और पीढियों से भी हैं। इस सियासी खेल में कांगड़ा के तमाम नेता न भाजपा से प्रसन्न हैं और न ही कांग्रेस से संतुष्ट, भले ही सरकारों के मातहत कुछ पद, कुछ तमगे और कुछ तिलक हर बार सरकारों के गठन में भीख पा जाते हैं, लेकिन जज्बात की मेहंदी पर आक्रोश का रंग भी अब रिवायती तौर पर हर बार मिशन रिपीट के चूल्हे पर होली को ही जला देता है।

छात्रों के लिए फिटनेस कार्यक्रम कब?

भूपिंदर सिंह

कम से कम बीस मिनटों तक तेज चलने, दौडऩे व शारीरिक क्रियाओं के करने से रक्त वाहिकाओं में रक्त संचार तेज हो जाता है। उससे हर मसल को उपयुक्त मात्रा में प्राणवायु मिलने से उसका समुचित विकास होता है। आज के विद्यार्थी को अगर कल का अच्छा नागरिक बनाना है तो हमें स्कूली पाठ्यक्रम के साथ उसके लिए सही फिटनेस कार्यक्रम देना होगा'

पिछले कई वर्षों से स्कूली स्तर पर फिटनेस कार्यक्रम शुरू करने की बात इस कॉलम के माध्यम से हो रही है, मगर हिमाचल प्रदेश का कोई भी सरकारी या निजी स्कूल अपने यहां फिटनेस कार्यक्रम लागू करने में नाकाम रहा है। नया शिक्षण सत्र शुरू हो चुका है। क्या इस बार सरकारी स्कूल अपने यहां या कोई निजी स्कूल पहल करेगा? शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो। क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, स्ट्रेंथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रयोगिक प्रशिक्षण भी उसी उम्र में शुरू करना होता है। शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पाई है। इस कॉलम के माध्यम से कई बार इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है। किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है, इसलिए सरकार, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिए।

यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है तो वह फिर युवावस्था आते-आते समझदार हो गया होता है। माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विद्याओं में व्यस्त रखने के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडऩा बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है जिससे वे आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सकें। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय तरक्की में देश का अग्रणी राज्य रहा है। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ-साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे-धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने एशियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाडियों को करोड़ों रुपए के नगद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी देकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उपयुक्त बातावरण तैयार किया है।

उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है। हिमाचल प्रदेश में भी पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश की खेलों के लिए अपने पहले कार्यकाल से ही कई महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा देश में प्रशिक्षक कैडर डाईंग हो जाने के बाद पहली बार प्रशिक्षकों की भर्ती बहुत बड़े खेल सुधार किए। हिमाचल प्रदेश की खेल सुविधाओं का प्रयोग राज्य में स्वास्थ्य व खेलों के लिए बड़े स्तर पर करना चाहिए। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। फिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण है विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना। रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गए हैं। हिमाचल प्रदेश की अधिकांश आबादी गांव में रहती थी। वहां पर सवेरे-शाम वर्षों पहले विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ कृषि व अन्य घरेलू कार्यों में सहायता करता था। विद्यालय आने-जाने के लिए कई किलोमीटर दिन में पैदल चलता था। इसलिए उस समय के विद्यार्थी को किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम की कोई जरूरत नहीं थी। आज का विद्यार्थी घर के आंगन में बस पर सवार होकर विद्यालय के प्रांगण में उतरता है।

पढ़ाई के नाम पर ज्यादा समय खर्च करने के कारण फिटनेस के लिए कोई समय नहीं बचता है। अधिकांश स्कूलों के पास फिटनेस के लिए न तो आधारभूत ढांचा है और न ही कोई कार्यक्रम है। आज का विद्यार्थी फिटनेस व मनोरंजन के नाम पर दूरसंचार माध्यमों का कमरे में बैठ कर खूब दुरुपयोग कर रहा है। ऐसे में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास की बात मजाक लगती है। आज के विद्यार्थी के लिए विद्यालय या घर पर आधे घंटे के फिटनेस कार्यक्रम की सख्त जरूरत है। इसमें 15 से 20 मिनट धीरे-धीरे दौडऩा तथा विभिन्न कोणों पर शरीर के जोड़ों की विभिन्न क्रियाओं को पूरा करने के बाद शरीर को कूलडाऊन करना होगा। कम से कम बीस मिनटों तक तेज चलने, दौडऩे व शारीरिक क्रियाओं के करने से रक्त वाहिकाओं में रक्त संचार तेज हो जाता है। उससे हर मसल को उपयुक्त मात्रा में प्राणवायु मिलने से उसका समुचित विकास होता है। आज के विद्यार्थी को अगर कल का अच्छा नागरिक बनाना है तो हमें स्कूली पाठ्यक्रम के साथ-साथ ही उसके लिए सही फिटनेस कार्यक्रम देना होगा, तभी हम सही अर्थों में अपनी अगली पीढ़ी को संपूर्ण शिक्षित कर सकते हैं जो शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहकर अपनी जिंदगी के साठ वर्ष तक अपने प्रदेश व देश की सेवा कर सके।

चिंतन

गुणीजनों का गुण है चापलूसी

चमचागिरी का गुण आज की आवश्यकता बन गया है। मैं खुद इस गुण को मुफीद मानता हूं, लेकिन पता नहीं क्यों अभी तक चमचा बन नहीं पा रहा हूं। दफ्तर में पूरा काम समय पर करने के बावजूद मुझे अफसर व्हाइट एलीफैंट मानता है। जबकि सच यह है कि सफेद हाथी वह स्वयं है। सारे दिन स्टेनो से बतियाना और उसके साथ कॉफी-चाय पीने के अलावा वह करता ही क्या है? हमेशा गोपनीय रिपोर्ट खराब जाने से मेरे प्रमोशंस भी ठण्ड में लगा दिये गये हैं। जबकि जो काम के अलावा और सब कुछ करते हैं, उनके धड़ाधड़ प्रमोशन हो रहे हैं। हालांकि वह भली प्रकार से जानता है कि मैं काम का आदमी हूं, इसीलिए तो वह मेरा ट्रांसफर नहीं करवाता। परन्तु मेरी आदत चमचागिरी की नहीं होने के कारण मैं निरंतर पिछड़ रहा हूं। दरअसल वो चापलूसों और चापलूसी को पसंद करता है। वो हमेशा सर आप कितने काइंड नेचर के हैं, आप सबका ध्यान रखते हैं, आपके बच्चे की फीस जमा करा आऊं, आप कहें तो घर सब्जी-फल रख आऊं, सर आपका जैसा इनसान आज के जमाने में मिलना कठिन है, सर आपने कभी किसी का बुरा नहीं किया जैसे जुमले रात-दिन सुनना चाहता है।

मुफीद मानने के बावजूद मैं चमचागिरी को नहीं अपना सका, इसका मुझे खेद तो है लेकिन खुद्दारी के अपने मजे हैं, जिसके मद में चूर मैं अपने आपको सबसे अलग कर लेता हूं। मोहल्ले की विकास समिति के अध्यक्ष कई बार मुझसे कह चुके हैं कि मैं उनसे मिला करूं। एक बार तो उन्होंने साफ तौर पर मुझसे कहा भी कि यार पता नहीं तुम किस मिट्टी के बने हो। अपने आपको अफलातून समझते हो। इसका प्रचार उन्होंने पूरे मोहल्ले में कर दिया है, जिससे मैं वहां भी अलोकप्रिय हो गया हूं। मोहल्ले वाले मुझे घमण्डी कहते हैं। जबकि मैं न किसी को अदाता हूं, न सताता हूं, लेकिन मेरी जान के दुश्मन बन गये हैं लोग। चमचागिरी में एक तरह अपने आपको गिराना होता है, जो मैं नहीं कर पाता हूं। पत्नी भी मेरे स्वभाव को लेकर कहती रहती है कि मोहल्ले में बनाकर रखो। सभी से मिलो-जुलो, हमारे काम कैसे होंगे। मेरी पत्नी से मोहल्ले की औरतें कहती

रहती हैं कि आपके 'वो' तो अलग ही हैं, पता नहीं आपकी (पत्नी की) उनसे कैसे पटती होगी।

थोड़ा लिखने-पढऩे का शौक है तो लेखक भी खिंचे-खिंचे रहते हैं। वे एक-दूसरे से मेरे गर्वोन्मत्त होने की बात करते हैं। किसी सभा-संगोष्ठी, लोकार्पण, सम्मान समारोह में न जाने से अब लोगों ने आमंत्रण देना ही बंद कर दिया है। राज्य अकादमी मुझसे जूनियर्स का सम्मान इसी चापलूसी निपुणता गुण के कारण कर चुकी है, लेकिन मेरा हमेशा अपमान ही होता है। सम्पादकों में भी मैं आलोकप्रिय हूं। उनका कहना है कि न मिलना न जुलना, फिर रचनाओं का प्रकाशन किस आधार पर करें। सच कहूं तो चमचागिरी के गुण के अभाव के कारण मेरा हर क्षेत्र में नुकसान हो रहा है, लेकिन मैं कोशिशों के बावजूद भी अपना मूल स्वभाव नहीं बदल पा रहा हूं। इसके अभाव में यों कहा जा सकता है कि मैं असामाजिक प्राणि होकर रह गया हूं। मुझे कोई घास नहीं डालता, लेकिन मैंने पता नहीं कौनसे जीवन मूल्यों को चुन लिया है, जिससे नुकसान ही नुकसान हो रहा है। मेरे घर कोई आता नहीं और मैं किसी के घर जाता नहीं, अब आप ही बताइये इससे गुजारा होगा कैसे? काश, मैं भी चापलूस बन पाता, कई बार सोचता हूं। आज के युग में बिना चमचागिरी के कहीं दाल नहीं गलती। इसलिए ज्यादातर लोगों ने अपने तमाम स्वार्थ पूरे करने का साधन बना लिया है। चापलूसी की माया अद्भुत और अपरम्पार है। इसलिए इसे तत्काल अपनाइये और अपना जीवन सुखी बनाइये। आजकल चापलूसी गुणीजनों का गुण है।

पूरन सरमा

इनसाइड

पूरी दुनिया में बज रहा UPI का डंका, भारत बदलेगा वर्ल्ड ऑनलाइन पेमेंट की तस्वीर

Indian UPI 2016 में यूपीआई के नाम से ज्यादा लोग वाकिफ नहीं थे। वहीं आज के समय में हर व्यक्ति यूपीआई के जरिये ऑनलाइन पेमेंट कर रहे हैं। यह कहना बिल्कुल गलत नहीं होगा कि यूपीआई ने भारत की तस्वीर बदल दी है। भारत का डिजिटल युग में प्रवेश करने में यूपीआई का भी योगदान है। आज दुनिया के कई देशों में यूपीआई अपना परचम लहरा रहा है।

नई दिल्ली। यूनाइटेड पेमेंट इंटरफेस (UPI) अप्रैल 2016 तक अनसुना या अविश्वसनीय शब्द था। वहीं आज हर किसी की जुबान पर यह शब्द मौजूद है। कुछ साल पहले तक किसी ने भी नहीं सोचा होगा कि किराने से लेकर मॉल तक इसका इस्तेमाल होगा। आज घर से निकलने पर वॉलेट के भूल जाने पर भी बेफिक्र हो जाते हैं। वहीं, कुछ साल पहले घर से निकलते वक्त पर्स में कितने रुपये हैं इसकी ओर ध्यान जाता था। माना यूपीआई के शुरुआती साल उतने कामयाब नहीं थे पर वहां 2021 तक बाजार यूपीआई की हिस्सेदारी में जबरदस्त बढ़त देखने को मिली है। 2016-2017 तक क्रेडिट कार्ड के जरिये पेमेंट 36 फीसदी होती है और उस समय यूपीआई की हिस्सेदारी 6 फीसदी ही थी। दूसरी ओर वित्त वर्ष 2021 में यूपीआई की हिस्सेदारी 63 फीसदी हो गई और क्रेडिट कार्ड के जरिये हो रहे भुगतान केवल 9 फीसदी रह गया था। यूपीआई केवल भुगतान करने का जरिया ही नहीं रहा, बल्कि इसके जरिये कई लाखों लो डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म से भी जुड़ गए। ऐसे में यह कहना बिल्कुल भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि यूपीआई ने भारत की तस्वीर को बदलने में अहम रोल निभाया है।

यूपीआई ने शुरू किया एक नया युग

यूपीआई के आने से पहले भले ही नेट बैंकिंग शुरू हो गई थी। लेकिन, उस समय भी लोगों नेट बैंकिंग की जगह पर फिजिकल बैंकिंग को ज्यादा पसंद करते थे। इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह थी विश्वास की कमी। दरअसल, कई लोगों का मानना था कि नेट बैंकिंग के जरिये उनके साथ फ्रॉड हो सकता है। ऐसे में यूपीआई ने लोगों के बीच अपनी पहचान बनाई। आज लोग किराने की दुकान पर भी छोटी से छोटी चीज का भुगतान यूपीआई के जरिए करते हैं। देश के बैंक भी कैशलेस को बढ़ावा देने के लिए यूपीआई की मदद कर रहे हैं। कई बैंक अपने डेबिट और क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक करने की सुविधा दे रहे हैं। ऐसे में लोगों का झुकाव यूपीआई की ओर बढ़ रहा है। अगर आप अपने आस पास ही देखें तो आप पाएंगे कि आज के समय में हर व्यक्ति के फोन में यूपीआई या फिर भीम यूपीआई (BHIM UPI), फोनपे, पेटीएम, गूगल पे, स्लाइड और मोबिक्विक जैसे ऑनलाइन पेमेंट ऐप होगा। कोविड-19 महामारी से हमारा देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया जूझ रही थी। कोविड-19 महामारी ने देश भर में डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा दिया है। कोविड-19 की पहली दो लहरों ने भले ही यूपीआई के सामने छोटी-छोटी चुनौतियां खड़ी कर दी थी।

LIC समेत इन कंपनियों के शेयरों में आई तेजी

सेंसेक्स और निफ्टी उछाल के साथ कर रहे हैं कारोबार

परिवहन विशेष

कई कंपनी अपने तिमाही नतीजों का एलान कर रही है। बीते दिन भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) ने तिमाही रिजल्ट का एलान किया है। कंपनी का नेट प्रॉफिट इस तिमाही कई गुना बढ़ गया है। नतीजों के बाद कंपनी के शेयर तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। आज शेयर मार्केट के दोनों सूचकांक गिरावट के सात खुले हैं।

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) ने कल तिमाही नतीजों का एलान किया है। आज बाजार खुलते ही कंपनी के शेयर तेजी से कारोबार कर रहे हैं। जबकि कल बाजार बंद होते समय कंपनी के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए हैं। कंपनी ने इस तिमाही में कई गुना नेट प्रॉफिट कमाया है। कंपनी का नेट प्रॉफिट 9,544 करोड़ रुपये हो गया है।

कंपनी के शेयर आज बाजार में लगभग 6 फीसदी बढ़ गए हैं। शेयर मार्केट के दोनों सूचकांक पर कंपनी के शेयर में तेजी देखने को मिली है। बीएसई पर कंपनी के स्टॉक 5.42 फीसदी चढ़कर 676.95 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे हैं। वहीं, एनएसई पर कंपनी के शेयर 5.81 प्रतिशत की तेजी से कारोबार कर रहे हैं। एनएसई पर कंपनी के शेयर 679 रुपये प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहा है।

एलआईसी के तिमाही नतीजे

एलआईसी कंपनी ने कल चालू वित्त वर्ष 2023-24 के अप्रैल-जून तिमाही नतीजों का एलान किया है। इस तिमाही कंपनी का नेट प्रॉफिट 9,544 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, पिछले साल की इसी अवधि में कंपनी का नेट प्रॉफिट 683 करोड़ रुपये था।

एलआईसी ने गुरुवार को एक नियामक फाइलिंग में कहा कि जून तिमाही में नेट इनकम बढ़कर 1,88,749 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 1,68,881 करोड़ रुपये थी।

इस तिमाही के दौरान कंपनी ने निवेश से शुद्ध आय 2022-23 की अप्रैल-जून अवधि में 69,571 करोड़ रुपये की तुलना में बढ़कर 90,309 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी का नॉन परफोमिंग एसेट 2.48 प्रतिशत हो गया। ये एक साल पहले की समान अवधि में 5.84 प्रतिशत था।

इस कंपनी के शेयर में बढ़त

सुप्रीम इंडस्ट्रीज, आरईसी और अशोक लीलैंड के शेयरों में आज उछाल आया है। कंपनी ने बीते दिन एलान किया है कि वह पांच अन्य कंपनियों के साथ एमएससीआई इंडिया इंडेक्स में जोड़ा जाएगा।

बीएसई पर सुप्रीम इंडस्ट्रीज के शेयर 16.25 प्रतिशत चढ़कर 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 4,480 रुपये पर पहुंच गए। आरईसी का स्टॉक 6.48 प्रतिशत उछलकर 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 230.70 रुपये पर पहुंच गया। अशोक लीलैंड 2.55 फीसदी की तेजी के साथ अपने एक साल के शिखर 191 रुपये पर पहुंच गया।

एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी के शेयरों में 2.29 फीसदी, कमिंस इंडिया (2.23 फीसदी), पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (2 फीसदी), आईडीएफसी फर्स्ट बैंक (1.65 फीसदी) और एस्ट्रल लिमिटेड (1.14 फीसदी) की बढ़त हुई।

कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन भारतीय करेंसी हुआ कमजोर, डॉलर के मुकाबले 19 पैसे गिरा रुपया

कारोबारी हफ्ते का आज आखिरी दिन है। आज रुपया गिरावट के साथ बंद हुआ है। आज भारतीय करेंसी 19 पैसे गिरकर बंद हुआ है। वहीं अमेरिकी डॉलर में बढ़त देखने को मिला है। भारतीय शेयर बाजार भी आज गिरावट के साथ बंद हुआ है। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है।

नई दिल्ली। शेयर बाजारों में कमजोर धारणा और विदेशों में प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले मजबूत डॉलर के बीच शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 19 पैसे की गिरावट के साथ 82.85 (अनंतिम) पर बंद हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि हालांकि, विदेशी फंड प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से भारतीय मुद्रा को समर्थन मिला, जबकि निवेशक भारत के औद्योगिक उत्पादन संख्या का इंतजार कर रहे थे।

रुपया हुआ कमजोर

इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, स्थानीय इकाई अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.75 पर खुली। इंट्रा-डे कारोबार के दौरान इसने 82.73 के शिखर को छुआ और 82.87 के निम्नतम स्तर को छुआ, फिर डॉलर के मुकाबले 82.85 (अनंतिम) पर बंद हुआ, जो कि पिछले बंद से 19 पैसे कम है। बीते दिन गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 19 पैसे की तेजी के साथ 82.66 पर बंद हुआ।

शेयरखान बाय बीएनपी पारिबा के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा

सकारात्मक अमेरिकी डॉलर और कमजोर घरेलू बाजारों के कारण भारतीय रुपये में गिरावट आई। हालांकि, एफआईआई प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों में रात भर की गिरावट ने गिरावट को कम कर दिया। व्यापारी भारत के औद्योगिक उत्पादन और यूएस पीपीआई और उपभोक्ता भावना डेटा से संकेत ले सकते हैं। हमें उम्मीद है कि निकट अवधि में USDINR स्पॉट 82.40 से 83.30 के बीच कारोबार करेगा।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने अपनी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में भी प्रमुख ब्याज दर को अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया, लेकिन खाद्य पदार्थों की कीमतों से मुद्रास्फीति बढ़ने पर सख्त नीति का संकेत दिया। जुलाई में अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति में नरमी दिखने के बाद विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर मजबूत हुआ, जिससे उम्मीद बढ़ी कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व दर वृद्धि को रोक देगा।

ऑनलाइन गेमिंग पर 28% GST का रास्ता साफ, लोकसभा से मिली मंजूरी

संसद के मानसून सत्र के अंतिम दिन संसद ने ऑनलाइन गेम कैसीनो और घुड़दौड़ के लिए सभी अंकित मूल्य के दांवों पर 28 प्रतिशत टैक्स लगाने के लिए केंद्रीय और समेकित जीएसटी नियमों में संशोधन पारित किया। लोकसभा ने केंद्रीय माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2023 और एकीकृत वस्तु और सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2023 को मंजूरी दे दी है।

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन लोकसभा ने ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ में दांव के फुल फेस वैल्यू पर 28 प्रतिशत टैक्स लगाने के लिए केंद्रीय और एकीकृत जीएसटी कानूनों में संशोधन को मंजूरी दे दी।

लोकसभा में आज दो धन विधेयकों, केंद्रीय वस्तु और सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2023, और एकीकृत वस्तु और सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2023 को मंजूरी दे दी।

राज्य को अब विधानसभा से पास करवाना होगा ये कानून

संसद से बिल के पास होने के बाद अब राज्य अपने-अपने विधानसभाओं में राज्य जीएसटी कानूनों में संशोधन वाला बिल पारित कराएंगे।

आपको बता दें कि यह संशोधन कैसीनो, घुड़दौड़ और ऑनलाइन गेमिंग में आपूर्ति के टैक्सेशन पर स्पष्टता प्रदान करने के लिए सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की अनुसूची III में एक प्रावधान शामिल करने से संबंधित हैं और आईजीएसटी अधिनियम में संशोधन ऑफशोर संस्थाओं द्वारा प्रदान किए गए ऑनलाइन मनी गेमिंग पर जीएसटी देयता लगाने के प्रावधान को शामिल करने से संबंधित है।

कानून में संशोधन से होगा यह फायदा

संशोधन के बाद अब ऑफशोर संस्थाओं को भारत में जीएसटी पंजीकरण प्राप्त करना आवश्यक होगा। यह संशोधन, पंजीकरण और टैक्स भुगतान प्रावधानों का पालन करने में विफलता के मामले में विदेशों में स्थित ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफार्मों तक पहुंच को अवरुद्ध करने का भी प्रावधान करेगा।

आपको बता दें कि केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) कानूनों में संशोधन को पिछले सप्ताह जीएसटी परिषद ने मंजूरी दे दी थी।

50वीं बैठक में लिया गया था फैसला

आपको बता दें कि जुलाई के महीने में हुई जीएसटी काउंसिल की 50वीं बैठक में ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ में प्रवेश स्तर के दांव के फुल फेस वैल्यू पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाने का फैसला लिया गया था।

इस फैसले के बाद ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ी कई कंपनियों ने इस फैसलों से आपत्ति जताई थी जिसके बाद दोबारा जीएसटी काउंसिल की 51वीं बैठक हुई जिसमें 28 प्रतिशत का टैक्स लगाने वाला फैसला बरकरार रखा गया।

इसी समय यह भी फैसला लिया गया था कि इस कानून के लागू होने के 6 महीने के बाद इसकी समीक्षा की जाएगी। आपको बता दें ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ पर 28 प्रतिशत टैक्स 1 अक्टूबर से लागू होगा।

एयर इंडिया ने आइकॉनिक महाराजा मस्टक को कहा 'टाटा', रीब्रांडिंग के बाद हुए ये बदलाव

एक समय संकट से गुजर रही एयर इंडिया को न केवल उसका पुराना मालिक टाटा ग्रुप मिला बल्कि अब इस एयरलाइन को रीब्रांड करके नया लुक दिया गया है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइनों में से एक टाटा के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने कल अपना लोगो और पोशाक बदल दी। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि एयर लाइन का नया पोशाक कैसा है।

नई दिल्ली। एक वक्त में संकट में पड़ी एयर इंडिया को न सिर्फ उसके पुराने मालिक टाटा ग्रुप ने संभाला बल्कि अब एयरलाइन को रीब्रांड कर एयरलाइन को एक नए तेवर और कलेवर में कल पेश किया है।

टाटा की स्वामित्व वाली देश की बड़ी एयरलाइन कंपनियों में से एक एयर इंडिया (Air India) ने कल अपने लोगो (Logo) और अपने पोशाक (Livery) को बदल दिया। आज हम आपको एयर इंडिया के नए पोशाक के बारे में बताने जा रहे हैं।

रीब्रांडिंग से क्या बदला?

रीब्रांडिंग में अगर सिर्फ लोगो को बदला जाए तो उतना मजा नहीं आता जितना लोगो के साथ-साथ पोशाक के बदलने पर आता है। एयर इंडिया के विमान का नाम अब धड़ के किनारे (Fuselage) और बेली (Belly) पर नए फॉन्ट में लिखा होगा।

विमान की पोशाक में क्लासिक एयर इंडिया के लाल और नारंगी रंग को एक विस्तारित रंग पैलेट के रूप में पेश किया गया है, जिसमें विमान की टेल और बेली पर गहरे लाल, बैंगन और सोने रंग का इस्तेमाल है। एयरलाइन ने साइड से हिंदी में लिखा एयर इंडिया लिखा हटा दिया है और उसकी जगह बेली पेंट जोड़ दिया है ।किसी भी फ्लाइट की टेल (Tail) सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित करती है।

इस नए पोशाक में, टेल में विस्तारा के सुनहरे खिड़की के किनारे, प्रतिष्ठित लाल और बैंगनी रंग का मिश्रण शामिल है, जो एयरलाइन के इतिहास और भविष्य का संकेत है। विमान के बाकी हिस्सों में भी इसी कलर कॉम्बिनेशन का उपयोग किया गया है, जिसमें लाल पंखों की युक्तियां और बेली पर सोने का उच्चारण है।

प्लेन में कब से दिखेगी नई पोशाक

एयर इंडिया के सीईओ और एमडी कैंपबेल विल्सन का कहना है कि नई पोशाक पहनने वाला पहला विमान एयरलाइन का A350 होगा, जो दिसंबर 2023 में आएगा।

वर्तमान एयर इंडिया बेड़े में एयरबस A320 परिवार और बोइंग के वाइड बॉडी 777 और 787 के बीच विभाजित 120 विमान हैं।

एयरबस और बोइंग से एयर इंडिया के हालिया ऑर्डर में 210 एयरबस A320neo परिवार के विमान और 40 A350s प्लस 190 737 MAX, 20 787s और बोइंग से 10 777Xs शामिल हैं।

महाराजा को 'टाटा'

एयर इंडिया का एतिहासिक महाराजा मस्कट को नए लोगो में जगह नहीं दिया गया है। कई लोग महाराजा और उसके इतिहास को याद करेंगे लेकिन यह स्पष्ट है कि एयर इंडिया अब अपने भविष्य बनाने के लिए अपने अतीत को विराम दे रहा है।

हालांकि एयरलाइन ने पूरी तरह से महाराजा मस्कट को नहीं हटाया गया है। एयरलाइन ने कहा कि महाराजा की उपस्थिति एयरलाइन की प्रीमियम कक्षाओं और हवाई अड्डे के लाउंज तक रहेगी। एयरलाइन ने महाराजा को बनाए रखने का निर्णय एयरलाइन के पुराने यात्रियों की उदासीन अपील से प्रेरित होकर लिया है।

BoB, Canara, BoM के 10 बेसिस प्वाइंट तक बढ़ाया ब्याज दर, महंगी हो जाएगी आपकी EMI, जानिए क्या है पूरी खबर

कल ही भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की एमपीसी के फैसलों को सुनाते हुए गर्वनर शक्तिकांत दास ने रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित छोड़ने का फैसला सुनाया था। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) केनरा बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने उधार दरों (एमसीएलआर) की सीमांत लागत को 10 आधार अंक तक बढ़ा दिया हालांकि रेपो दर अपरिवर्तित रही। जानिए आप पर क्या पड़ेगा असर।

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखने का फैसला लिया था। रेपो रेट के स्थिर रहने के बावजूद बैंक ऑफ बड़ौदा (BoB), केनरा बैंक (Canara Bank), और बैंक ऑफ महाराष्ट्र (BoM) ने फंड आधारित उधार दरों (MCLR) की सीमांत लागत में 10 बेसिस प्वाइंट तक की वृद्धि की है।

महंगी हो जाएगी आपकी EMI

इस वृद्धि के बाद एमसीएलआर से जुड़ी ईएमआई महंगी हो जाएगी। एक साल की अवधि की एमसीएलआर वह रेट है जिसके आधार पर अधिकांश उपभोक्ता लोन बंधे होते हैं।

किस बैंक ने कितना बढ़ाया रेट?

बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि संशोधित एक साल का एमसीएलआर मौजूदा 8.65 प्रतिशत की तुलना में 8.70 प्रतिशत होगा। बीओबी ने कहा कि नई दर 12 अगस्त से प्रभावी होगी। केनरा बैंक ने भी 12 अगस्त से अपना एमसीएलआर 5 आधार अंक बढ़ाकर 8.70 प्रतिशत कर दिया।

इसके अलावा बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने अपने एमसीएलआर में 10 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी की है। बीओएम ने एक फाइलिंग में कहा कि बढ़ोतरी के साथ, एक साल की एमसीएलआर की दर 8.50 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 8.60 प्रतिशत हो गई है। बैंक ने बताया कि यह संशोधित दर 10 अगस्त 2023 से प्रभावी है।

आरबीआई ने रेपो रेट को रखा था स्थिर

कल ही 8 से 10 अगस्त तक चली आरबीआई की एमपीसी के फैसलों को सुनाते हुए आरबीआई गर्वनर ने रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर ही स्थिर रखने का फैसला लिया था। आपको बता दें कि रेपो रेट वह दर है जिस दर पर आरबीआई देश बैंकों को लोन देती है।

क्या होता है MCLR?

फंड-आधारित उधार दर या एमसीएलआर की सीमांत लागत वह न्यूनतम ब्याज दर है जो एक वित्तीय संस्थान को किसी विशिष्ट लोन के लिए वसूलने की आवश्यकता होती है।

यह लोन के लिए ब्याज दर की निचली सीमा निर्धारित करता है। यह दर सीमा, लेनदार के लिए निश्चित है जब तक कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अन्यथा निर्दिष्ट न किया गया हो। एमसीएलआर दिए गए लोन की अवधि के अनुसार बदलता रहता है।

दो सौ के करीब बच्चों की आखों का चैकअप किया सूरी अस्पताल दरा लगाया फ्री मैडीकल कैप

नवांशहर / बलाचौर (जतिंदरपाल सिंह कलेर)– सरसवती पबिलक स्कूल में आखो की चल रही बीमारियों के सबंध में सूरी अस्पताल के डा. उजागर सिंह सूरी की अगुवाई में फ्री मैडीकल चैकअप लगाया गया। इस कैप में दो सौ के करीब बच्चों की आखों क ा चैकअप किया गया। आंख्रो का चैकअप करने के उपरांत फ्री दवाईयां भी बांटी गई। बीमारी से बचाव के सबंधी टिप्स भी दिए गए। सरसवती स्कूल के चेयरमैन डा. रवि बजाज और स्कूल के सभी स्टाफ की तरफ से डा. उजागर सिंह सूरी के इस प्रयास की प्रशंसा की गई । डा. उजागर सिंह सूरी ने कहा कि यह दूसरा कैप उनके तरफ से लगाया गया। इस मौके भारी संख्या में स्कूल स्टाफ व अन्य मौजूद रहे।

सीएम धामी ने दिए कर चोरों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश, सरकार की कमाई का 32 फीसदी ही लक्ष्य पूरा

देहरादून। समीक्षा बैठक में यह तथ्य सामने आया कि जारी वित्तीय वर्ष में आय का जो लक्ष्य रखा गया है, चार महीने में सरकार ने उसका 32 प्रतिशत पूरा किया है। मुख्यमंत्री ने राजस्व वृद्धि के लिए सभी विभागों को सजगता, पूरी सक्रियता और समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सरकार की आय बढ़ोतरी के लिए राजस्व वसूली में तेजी लाने के साथ ही कर चोरी के खिलाफ बेहद सख्ती से पेश आने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बिजली चोरी रोकने के लिए सतर्कता बढ़ाए जाने पर जोर दिया।

राजस्व वृद्धि के संबंध में राज्य सचिवालय में हुई समीक्षा बैठक में यह तथ्य सामने आया कि जारी वित्तीय वर्ष में आय का जो लक्ष्य रखा गया है, चार महीने में सरकार ने उसका 32 प्रतिशत पूरा किया है। मुख्यमंत्री ने राजस्व वृद्धि के लिए सभी विभागों को सजगता, पूरी सक्रियता और समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने अगली बैठक होने से पहले इस बैठक में लिए गए फैसलों पर एक्शन टेकन रिपोर्ट उन्हें मिल जानी चाहिए।

उन्होंने राजस्व वसूली की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए ऑनलाइन सिस्टम को मजबूत बनाने के साथ अभिनव प्रयास किए जाने का भी सुझाव दिया। बैठक में कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधु, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, दिलीप जावलकर व वर्चुअल माध्यम से जिलाधिकारी भी जुड़े थे।

नियमित वसूली की प्रगति जांचने के लिए बनाया जाए पोर्टल

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व वसूली की नियमित मॉनिटरिंग के लिए एक पोर्टल बनाया जाए। इस पर विभिन्न विभागों राजस्व वसूली के आंकड़े अपलोड किए जाएं। इससे राजस्व परिषद में राजस्व वसूली के आंकड़ों में दिखाई दे रहे अंतर की समस्या का समाधान होगा।

'दून, हरिद्वार, यूएसनगर व नैनीताल राजस्व बढ़ाएं'

मुख्यमंत्री ने राजस्व वसूली के मामले में देहरादून, हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर और नैनीताल जिलों के प्रदर्शन में और सुधार की आवश्यकता जताई। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व वसूली की कार्रवाई में तेजी लाई जाए। इसके लिए जिलों में बनाई गई समिति की नियमित बैठकें कराई जाएं।

47 साल बाद रूस ने लॉन्च किया लूना-25, चंद्रयान-3 से पहले चांद पर लैंड कर सकता है रूसी लैंडर

परिवहन विशेष न्यूज

भारत के बाद अब रूस ने भी लूनर मिशन लूना-25 लॉन्च कर दिया है। 47 साल बाद रूस ने अपना यान भेजा है। मॉस्को से करीब 5500 किलोमीटर पूर्व में स्थित अमूर ओब्लास्ट के वोस्तोनी कॉस्मोड्रोम से लूना 25 की लॉन्चिंग की गई।कहा जा रहा है कि भारत के चंद्रयान-3 से पहले रूस का लूना-25 चांद पर कदम रखेगा।

7-10 दिनों तक चांद के चक्कर लगाएगा रूसी लैंडर

रूसी मीडिया के अनुसार, शुक्रवार 11 अगस्त को सुबह 4.40 बजे रूस के वोस्तोनी कॉस्मोड्रोम से लूना- 25 लैंडर की लॉन्चिंग की। लूना- 25 को सोयुज 2.1 बी रॉकेट में चांद पर भेजा गया है। इसे लूना-ग्लोब मिशन का नाम दिया गया है। रॉकेट की लंबाई करीब 46.3 मीटर है, वहीं इसका व्यास 10.3 मीटर है। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस का कहना है कि लूना-25 चांद की ओर निकल चुका है। पांच दिनों तक यह चांद की तरफ बढ़ेगा। इसके बाद 313 टन वजनी रॉकेट 7-10 दिनों तक चांद का चक्कर लगाएगा। उम्मीद है कि 21 या 22 अगस्त को यह चांद की सतह पर पहुंच जाएगा।

नासा ने किया था पानी मिलने का दावा

रूसी मीडिया के अनुसार, रूस की योजना है कि लैंडर को चांद के दक्षिणी पोल पर उतरेगा। जानकारों का कहना है कि चांद के इसी पोल पर पानी मिलने की संभावना है। बता दें, 2018 में नासा ने कहा था कि चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पानी है। लूना- 25 में रोवर और लैंडर हैं। इसका लैंडर करीब 800 किलो का है। लूना- 25 सॉफ्ट लैंडिंग की प्रैक्टिस करेगा। लैंडर में एक खास यंत्र है, जो सतह की छह इंच की खुदाई करेगा।

लूना- 25 पत्थर और मिट्टी के सैंपल जमा करेगा। इससे जमे हुए पानी की खोज हो सकती है। रूस का मकसद है कि भविष्य में जब भी इंसान चांद पर अपना बेस बनाए तो उसके लिए पानी की समस्या न हो।

चंद्रयान- 3 से पहले रूस कर सकता है चांद पर लैंड

उम्मीद जताई जा रही है कि 21 या 22 अगस्त को यह चांद की सतह पर पहुंच जाएगा। वहीं, चंद्रयान-3 भारत ने 14 जुलाई को लॉन्च किया था, जो 23 अगस्त को चांद पर लैंड करेगा। लूना- 25 और चंद्रयान-3 के चांद पर उतरने का समय करीब-करीब एक ही होगा। लूना कुछ घंटे पहले चांद की सतह पर लैंड करेगा। रूस इससे पहले 1976 में चांद पर लूना-24 उतार चुका है। विश्व में अबतक जितने भी चांद मिशन हुए हैं, वे चांद के इक्वेटर पर पहुंचे हैं। लेकिन अगर लूना-25 सफल हुआ तो ऐसा पहली बार होगा कि कोई देश चांद के साउथ पोल पर लैंड करे।

शहीद भगत सिंह नगर के परिवार और सरकार मुआवजे का इंतजार कर रहे हैं और सरकार सत्ता के नशे में चूर है - फिर भी मंगूपुर

जतिंदर पाल सिंह कलेर

नवांशहर /वलाचौर। पिछले दिन की भारी बारिश के कारण जिला शहीद भगत सिंह नगर की संपत्ति को काफी नुकसान हुआ, ये कहना है कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष अजय मंगूपुर का। जिले में अपने राजनीतिक दौरे के दौरान अजय मंगूपुर ने विभिन्न गांवों का निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने देखा कि जिले में सड़कों की हालत बहुत खराब है, भारी बारिश के कारण जगह-जगह सड़कें टूट गयी हैं, जिसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है. बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है इन टूटी सड़कों के कारण यातायात बहुत बुरी तरह प्रभावित होता है, दुर्घटना का खतरा हमेशा बना रहता है, लोग रात में भी इन सड़कों पर यात्रा करने से बचते हैं। दूसरी ओर, सरकार इस समय अपनी सत्ता का आनंद ले रही थी और लोगों की जान-माल की परवाह किये बिना अपना समय काट रही थी।

पंजाब राज्य के मुख्यमंत्री पंजाब में उद्योग और कारखाने लगा रहे हैं, उनके आगे टूटी सड़कें क्या हैं? लोग अपने घरों से बेघर होकर सड़कों पर रह रहे हैं, महंगाई ने लोगों की आजीविका तोड़ दी है और सरकार सिर्फ कर्ज लेकर खर्च कर रही है. सत्ता के नशे में चूर 'आप सरकार' इस समय पंजाब प्रदेशवासियों की समस्याओं से अक्षम्य सुख भोग रही है। कल आई बाढ़ से जिला शहीद भगत सिंह नगर में इतनी तबाही मची कि कई जगहों पर सड़क पर कई फुट तक खेतों में पानी भर गया, जिससे किसानों की जमीन भी खेती लायक नहीं रह गई. लोगों के घरों की छतें गिर गईं और संपत्ति का नुकसान हुआ, लेकिन सरकार ने मुआवजे के रूप में लोगों के साथ केवल अप्रिय मजाक किया है। अजय मंगूपुर ने सरकार से इन बाढ़ पीड़ितों की यथासंभव मदद करने और उन्हें जल्द से जल्द दस गुना मुआवजा देने की मांग की।

योगी सरकार ने दी जानकारी, प्रत्येक गांव तक बस सेवा पहुंचाएगा परिवहन निगम

परिवहन मंत्री ने एक अन्य प्रश्न के जवाब में बताया कि उत्तर प्रदेश में बस अड्डों को एयरपोर्ट की तरह आधुनिक बनाने का काम शुरू हो चुका है। इसके लिए 5 बस अड्डों (गाजियाबाद, कौशांबी, आगरा, प्रयागराज, लखनऊ) के विभिन्न बस अड्डों के कायाकल्प के लिए एमओयू हो चुका है और जल्द ही सीएम इसका शिलान्यास करेंगे।

योगी सरकार प्रदेश के हर गांव तक परिवहन निगम की बस सेवा को पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। परिवहन निगम के माध्यम से सरकार अब तक प्रदेश के 88 हजार गांवों तक बस सेवा मुहैया करा चुकी है और बाकी बचे 12200 गांवों तक भी बस सेवा जल्द मुहैया कराने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए सरकार ने अनुबंधित बसों के माध्यम से लक्ष्य को पूर्ण करने की योजना बनाई है। शुक्रवार को विधानसभा में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में सरकार की ओर से इसकी जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि हाल ही में यूपीएसआरटीसी के एक कार्यक्रम में स्वयं सीएम योगी ने मंच से प्रदेश के प्रत्येक गांव तक बस सेवा मुहैया कराने की अपील की थी।

बढ़ाई जाएगी अनुबंधित बसों की संख्या

विधानसभा सदस्य द्वारा पूछे गए प्रश्न के जवाब में परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि सरकार मुहिम के तहत कार्य कर रही है और जल्द ही प्रदेश का एक भी गांव ऐसा नहीं होगा जहां परिवहन निगम की बस सेवा न उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि लोगों को रोजगार देने के लिए अनुबंधित बसों की संख्या बढ़ाई जाए, ताकि हर गांव तक बस सेवा को पहुंचाया जा सके। परिवहन मंत्री ने कहा कि प्रदेश में परिवहन निगम की कुल 110118 बसें संचालित हैं। इनमें 81070 निगम की बसें हैं और 29048 अनुबंधित बसें हैं। यानी 26 प्रतिशत बसें अनुबंधित हैं और 74 प्रतिशत बसें रोडवेज की हैं। परिवहन मंत्री ने इस दौरान परिवहन निगम की आय से संबंधित सवाल का भी जवाब दिया। उन्होंने बताया कि पहले जहां परिवहन निगम को प्रतिदिन 11 से 12 करोड़ की आमदनी हो रही थी तो अब यह 18 करोड़ से 21 करोड़ प्रतिदिन के बीच तक पहुंच गई है।

किसान संगठनो ने किया सम्मानित

जतिंदरपाल सिंह कलेर

नवांशहर / बलाचौर। भारती किसान यूनियन राजेवाल की किसान संगठन दरा जिला प्रधान संतोख सिंह रैलमाजरा की अगुवाई में परागपुर पंचायत की मदद के साथ एक विशेष एकठ किया गया। इस मौके उन्होने चिप वाले मीटरों की विरोध भी किया और कहा कि इन को नही लगने देगे। इस के उपरात थाना काठगढ़ के एसएचओ इंस्पैकटर परमिंदर सिंह को उन्के अच्छे कार्यो के लिए सम्मानित भी किया गया। उन्होने कहा कि इन्होने कोविड के दौर में लोगों की काफी मदद की और अपनी जिमेदारी बहुत तनदेही के साथ निभाई। उन्होने कहा कि इन की तरफ से रोजाना न्यूज पेपर भी दिए गए। उन्होने मीडिया की अच्छी भूमिका निभाने के पत्रकार जतिंदरपाल सिंह कलेर, राजेश कुमार, को भी सिरोपा देकर सम्मानित किया गया। इस मौके अलग अलग गांवो की पंचायतों ने उनका धन्यावाद किया। इस मौके कुलविंदर सिंह, स्वर्ण सिंह, दर्शन देव, सुरजीत, दविंदर सिंह, कर्म सिंह, परमजीत सिंह, कमल राम, मोहन लाल, रंजीत कौर मनजीत कौर, अमनदीप कौर अन्य मौजूद रहे।

राष्ट्रीय प्रधान यूथ अकाली दल सर्वजीत झिंजर का बलाचौर पहुंचने पर किया शानदार स्वागत

लोग आम आदमी पार्टी की नीतियों से दुखी– सुनीता चौधरी
पंजाब में कानूंन नाम की कोई चीज ही नही – गुरप्रीत गुजर

जतिंदर पाल सिंह कलेर

नवाशहर। पंजाब यूथ मिलनी के तहत एएस रिजोर्ट रतेवाल में स्वर्गीय मुख्य संसदीय सचिव चौधरी नंद लाल के पुत्रबंधु और स्त्री विंग की इंचार्ज बीबी सुनीता चौधरी दरा प्रधान यूथ अकाली दल सर्वजीत सिंह झिंजर का हलका बलाचौर आने पर शानदार स्वागत किया गया। एकठ को संबोधन करते हुए राष्ट्रीय प्रधान सर्वजीत सिंह झिंजर ने कहा कि देश के किसानो ,मजदूरों व गरीबों के बको के लिए लडने वाली एक पार्टी शिरोमणी अकाली दल है। जिस ने लोगों की भलाई के लिए बहुत सारी स्कीमे चालू की। जैसे कि आटा दाल स्कीम, अशीवाद स्कीम, बुढापा पैनशन, बेरोजगारों को रोजगार मुहैया करवाने के लिए हमेशा ततपर रही। उन्होने कहा कि आम आदमी पार्टी सिर्फ गरंटीया देते रही। उन्होने अपने चुनाव मैनीफैसटो में महिलाओ को एक हजार रु देने में भी नाकाम साबत हुई। आए दिन पंजाब में गैगवार, लूट, गोलीया, जबरजिनाह, की घटनाए आम हो गई है। लोग अपने आप को असुरिक्षत महसूस कर रहे है। पंजाब में कानूंन व्यवस्था की स्थिति बिलकुल खतम हो गई है। जिसके चलते कारोबारियो को रोजाना धमकिया मिल रही है। उन्होने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के के चलते अब यूथ को आगे आने की जरुरत है। जिसके लिए आज हमे इन्हे लामबंद कर रहे ह। इस मौके बीबी सुनीता चौधरी ने कहा कि आज नौजवान पीढी को आगे आने की जरुरत है। इन के हाथो में देश सुरक्षित रह सकता है। इस लिए हमे इनका साथ देना चाहिए। इस मौके गुरप्रीत गुजर ने कहा कि आम आदमी पार्टी दी गलत नीतियों से हर वर्ग दुखी है। इस के लिए पिछले लंबे समय से शिरोमणी अकाली दल ने अपने कार्यकाल में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य किए। उन्होने हर वर्ग के लोगों की हित की बात की। उन्होने कहा कि आने वाले चुनावों में भारी बहुमत के साथ शिरोमणी अकाली दल को जीत दिलाई जाएगी। इसमौके सुखदीप शुकार, संतोख सिंह, रमनदीप सिंह, गुरप्रीत गुजर, हनी होसा, स्वर्ण राम मीलू, सुरजीत सिंह दोभाली, दलजीत सिंह माणेवाल, सुरजीत कोहली, पंमी बरेता, चौधरी मदन लाल ठेकेदार, हजूरा सिंह, रमन चौधरी, हरकंवल सिंह, धर्मपाल, जीत ,बबू, मदन राजू माजरा, अन्य मौजूद रहे।

मैसूर के गुरु घर प्रेमी - विक्रमजीत सिंह

जतिंदर पाल सिंह कलेर

नवाशहर। अमेरिकी सरकार द्वारा सम्मानित प्रतिष्ठित व्यक्ति विक्रमजीत सिंह मूल रूप से पंजाब के निवासी हैं। अमृतसर में जन्मे विक्रमजीत सिंह का जीवन बचपन से ही श्री हरमंदिर साहिब से प्रभावित था। विक्रमजीत सिंह की प्रतिज्ञा थी कि वह हर दिन गुरु घर जाते थे क्योंकि उनका घर दरबार साहिब के करीब था। विक्रमजीत सिंह ने 1984 के नरसंहार का मंजर देखा और सुना था. विक्रमजीत सिंह अकाल तख्त साहिब के विनाश का मंजर नहीं भूले। प्रकृति के रंग, विक्रमजीत सिंह का आनंद कार्य मैसूर के रहने वाले सोभा सिंह से हुआ। मैसूर में रहते हुए विक्रमजीत सिंह सिक्योरिटी यूनिट जेके के संरक्षक बने। गुरु घर के सेवक विक्रमजीत सिंह ने जल्द ही सेवा के क्षेत्र में अपना असली रूप दिखाया। श्री गुरु सिंह सभा ने मैसूर में दो गुरुद्वारों की स्थापना की। सैकड़ों लोगों को नाम बाणी से उत्तम जीवन जीना सिखाया। पंजाब और पूरे भारत से छात्र और कार्यकर्ता हर रविवार को मैसूर जाने लगे। विक्रमजीत सिंह वंजारा लोगों के लिए मसीहा बन गए, उनके परिवारों की मदद की। यह लगातार जारी है. सेवा सिमरन विक्रमजीत सिंह के जीवन का आधार है। विक्रमजीत सिंह को उनके वैश्विक कार्यों के लिए अमेरिकी सरकार द्वारा सम्मानित किया गया है। सेवा की भावना रखने वाले व्यक्ति में पंजाबी भाषा के प्रति अनुराग और प्रेम होता है। पंजाबी, सरदार जहां भी होंगे, नानक के लंगर और सेवा की अवधारणा के बारे में बात करेंगे। विक्रमजीत सिंह की सभी से अपील, भगवान से सेवा जैसी खुशी और ध्यान का उपहार मांगें। बाबा जी सदैव मनुष्य को कृपापूर्वक उत्तम जीवन जीने की शिक्षा देते हैं। प्रभु सदैव दयालु हाथ बनाये रखें। वाहे गुरु जी का खालसा वाहे गुरु जी की फतेह।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी–18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए–4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली– 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए लेखक स्वयं जिम्मेदार हैं। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023